इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



03
कोरोना योद्धाओं के रोजगार पर सियासत



04
इंडसइंड बैंक के पूर्व एमडी की सेवाएं समाप्त

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, रविवार, 22 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 64, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

लखनऊ पहुंचे मोदी: 52 नेशनल टॉपर्स को किया सम्मानित

हुनर वाले का रोजगार कोई AI नहीं छीन सकता: मोदी

मृदुभाषी। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया और देशभर के 52 नेशनल टॉपर्स को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आईटीआई में सीखा गया हुनर ही विकसित भारत की नींव बनेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चल रही चिंताओं के बीच उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जिसके पास वास्तविक कौशल है, उसका रोजगार कोई एआई नहीं छीन सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा आज के दौर में एआई को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं और काम छिनने की बातें हो रही हैं, लेकिन यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि जिसके पास स्किल है, उसका रोजगार कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कोविड काल का उदाहरण देते हुए कहा कि उस कठिन समय में लोगों ने देखा कि संकट की घड़ी में कैसे हालात बने और स्किल्ड वर्कर्स ने ही व्यवस्था व देश को संभालने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पहले दीक्षांत समारोह केवल कॉलेज और यूनिवर्सिटी तक सीमित थे, लेकिन अब आईटीआई के युवाओं के कौशल को भी सम्मान मिल रहा है और उनकी उंगलियों में भारत का भविष्य दिखाई देता है।



दुबई-सऊदी से लेकर नए ट्रेड एग्रीमेंट तक भारतीय कौशल की मांग: प्रधानमंत्री ने कहा कि सऊदी अरब और दुबई जाने पर वहां के शाही परिवार के लोग भी बताते हैं कि उनके यहां की भव्य संरचनाओं के पीछे भारतीय कारीगरों का हुनर है। उनके अनुसार, आज विभिन्न देशों के साथ होने वाले समझौतों में भी बड़ी संख्या में कुशल कामगारों की मांग सामने आती है और दुनिया को यूनिवर्सिटी की डिग्रियों के बजाय आईटीआई प्रशिक्षित लोग चाहिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई का करिकुलम, मशीनें और प्रशिक्षकों की तकनीक बदलने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि युवाओं को नए अवसर मिल सकें और 50 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर निकलने के साथ 4 करोड़ आवास निर्माण व अन्य कार्यों में कौशल कर्मियों की भूमिका आगे भी मजबूत रहे।

'क्या आता है, यह जरूरी', सर्टिफिकेट से आगे कौशल

मोदी ने दादा धर्माधिकारी की एक किताब का प्रसंग साझा करते हुए कहा कि एक व्यक्ति उनसे नौकरी लगवाने के लिए आया तो उनसे पूछा गया कि तुम्हें क्या आता है। जवाब मिला कि पोस्ट ग्रेजुएट हैं, फिर गाड़ी चलाने या खाना बनाने के बारे में पूछने पर भी ना कहा गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब केवल कागजी सर्टिफिकेट से काम नहीं चलने वाला, बल्कि वास्तविक काम आना सबसे जरूरी है। उन्होंने बताया कि पीएनजी कनेक्शन के लक्ष्य को लेकर होने वाली बैठकों में जब आंकड़ों पर चर्चा होती थी तो प्लंबर्स की कमी का विषय सामने आता था, जिससे साफ होता है कि हुनरमंद लोगों के लिए रोजगार के अवसर मौजूद हैं।

यूपी के बदलते परिदृश्य और युवाओं के लिए प्रोत्साहन

उत्तर प्रदेश के विकास का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कभी अवसरों की कमी झेलने वाला प्रदेश आज एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, बड़ी यूनिवर्सिटी, चिप फैक्ट्री और ब्रह्मोस निर्माण के साथ आगे बढ़ रहा है तथा 2027 में नोएडा में वर्ल्ड स्टील एशिया प्रतियोगिता की मेजबानी भी होगी। उन्होंने काशी की एक घटना का उल्लेख करते हुए प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के माहौल का जिक्र किया और युवाओं से कहा कि वे बड़े सपने देखें, कौशल विकास में पूरी ताकत लगाएं और कभी खुद को अकेला न समझें क्योंकि वे उनके साथ खड़े हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरिद्वार में अपनी मां सावित्री देवी के अंतिम संस्कार के बाद लखनऊ पहुंचे और संक्षिप्त संबोधन में युवाओं को कुशल बनने के लिए प्रेरित किया।



साल के अंत में प्रशासनिक गलियारों में बड़ी हलचल

150 से ज्यादा अफसरों को मिलेगा पदोन्नति का तोहफा

मृदुभाषी। भोपाल

साल के आखिरी महीने में मध्यप्रदेश की नौकरशाही में बड़े फेरबदल और तरक्की की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य सरकार 150 से अधिक प्रशासनिक और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को पदोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके लिए दिसंबर के पहले पखवाड़े में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें बुलाई जाएंगी और पूरी कवायद के बाद आगामी 31 दिसंबर को पदोन्नति के आधिकारिक आदेश जारी किए जाएंगे। लंबे समय से इस प्रक्रिया का इंतजार कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यह कदम बड़ी राहत और नई जिम्मेदारियों का संकेत लेकर आया है।

आईएएस संवर्ग के साथ-साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी पदोन्नति का लाभ मिलेगा, जिन्हें डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर और अपर कलेक्टर के पदों पर पदोन्नत किया जाएगा। इसी कड़ी में राज्य मंत्रालय में पदस्थ कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों के माध्यम से पूरी होगी, जिसमें मंत्रालय के निज सचिव और स्टाफ अधिकारी स्तर के कर्मचारी शामिल रहेंगे। दिसंबर के प्रथम पखवाड़े में होने वाली बैठकों के बाद 31 दिसंबर को इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी होने के साथ ही प्रशासनिक कामकाज को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।



प्रमुख सचिव और सचिव की कतार में यह नाम

पदोन्नति की इस बड़ी कवायद में वर्ष 2003 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों संजय गोयल, निशांत वरवड़े और ज्ञानेश्वर बी पाटिल को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत कर नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके साथ ही वर्ष 2011 बैच के 22 आईएएस अधिकारियों को अपर सचिव से सचिव पद पर पदोन्नति मिलने जा रही है। सचिव बनने वालों की सूची में वीएस चौधरी कोलसानी, हरजिंदर सिंह, रुचिका चौहान, सौरभ कुमार सुमन, नेहा मारव्या, विजय कुमार जे, अनुराधा पी, विजय दत्ता, मोहित बुंदा, संजीव श्रीवास्तव, चंद्रमौलि शुक्ला, मनोज पुष्प, उमाशंकर भार्गव, गौतम सिंह, प्रीति जैन, ऊषा परमार, सरिता ओम बाला प्रजापति, मुजीबुर रहमान, दिनेश जैन, गिरीश शर्मा, शिवराज सिंह वर्मा और वीरेंद्र कुमार शामिल हैं।

2014 बैच के 27 अफसर बनेंगे अपर सचिव

शासन स्तर पर वर्ष 2014 बैच के 27 अधिकारियों को उप सचिव से पदोन्नत कर अपर सचिव बनाने की तैयारी है। इनमें अवि प्रसाद, शीतला पटले, साकेत मालवीय, अरुण कुमार विश्वकर्मा, ऋषभ गुप्ता, नेहा मीना, तन्वी हुड्डा, आशीष वशिष्ठ, अंकित अस्थाना, आदित्य सिंह, लोकेश जांगिड़, ऋजु बाफना, भव्या मित्तल, क्षितिज सिंघल, सलोनी सिदाना, दिलीप यादव, रानी बाटद, चंद्रशेखर शुक्ला, दिलीप कापसे, बुद्धेश कुमार वैद्य, विनय निगम, अभय बेडेकर, सुधीर कोछार, अजयदेव शर्मा, नीतू माथुर, अंजू पवन भदौरिया और जमुना भिंडे के नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा वर्ष 2018 बैच के अधिकारियों को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड तथा वर्ष 2023 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ समय वेतनमान में पदोन्नति प्रदान की जाएगी।

चार नेताओं पर एफआईआर दर्ज

हैदराबाद, मुंबई, गुरुग्राम मेटा दफ्तरों में तोड़फोड़



मृदुभाषी। मुंबई

हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के कार्यालयों के बाहर हुए प्रदर्शन और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद इंडियन यूथ कांग्रेस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को यूथ कांग्रेस के चार नेताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। यह विरोध प्रदर्शन शुक्रवार को विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट निलंबित किए जाने के विरोध में तीनों शहरों में किया गया था, जिसके दौरान हैदराबाद में प्रदर्शनकारियों के मेटा कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ करने की बात सामने आई। प्रदर्शन के दौरान मुंबई में इमारत के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखे जाने और गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों द्वारा कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगाने की घटनाएं भी हुईं। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित कर दिए थे। इसी विवाद को लेकर यूथ कांग्रेस ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि तय समय सीमा के भीतर विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट से पाबंदियां नहीं हटाई गईं तो पूरे देश में मेटा के कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड-ऑफ-ऑनर दिया

सहारनपुर। सहारनपुर में पुलिसवालों ने गलती से AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। दरअसल, सर्किट हाउस में शनिवार सुबह सुप्रीम कोर्ट के एक जज को पहुंचना था। उनके लिए ही गार्ड ऑफ ऑनर की तैयारी थी, लेकिन उनसे पहले ओवैसी वहां पहुंच गए। पुलिसककर्मियों ने गफलत में उन्हें ही सलामी दे दी। हालांकि, जब पुलिस अफसरों को इसका पता चला तो वे डैमेज कंट्रोल में लग गए। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि इस मामले की जांच एसपी देहात मयंक पाठक को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमित शाह का बड़ा दावा; अनुच्छेद 370 हटने को बताया ऐतिहासिक बदलाव

कश्मीर घाटी में अब कोई स्थानीय आतंकी सक्रिय नहीं, सभी पाकिस्तानी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई और घाटी की मौजूदा सुरक्षा स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शनिवार को दावा किया कि कश्मीर घाटी में अब कोई भी स्थानीय आतंकी सक्रिय नहीं बचा है। घाटी में इस समय जो आतंकी सक्रिय हैं, वे सभी पाकिस्तानी नागरिक हैं। शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सुरक्षा बलों ने पिछले पांच दिनों के भीतर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है। इनमें मोहम्मद लतीफ भट को घाटी में सक्रिय लश्कर का आखिरी ज्ञात स्थानीय आतंकी बताया गया है।

अमित शाह अरुणाचल प्रदेश के बांदेरदेवा में आयोजित राष्ट्रपति पुलिस कलर समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में अलगाववाद की भावना कमजोर हुई है और स्थानीय युवाओं का आतंकवाद से जुड़ाव समाप्त हुआ है। उन्होंने



कहा कि आज पूरे देश के सामने यह गर्व की बात है कि कश्मीर घाटी में एक भी कश्मीरी युवा आतंकी गतिविधियों में सक्रिय नहीं है। गृह मंत्री ने अपने संबोधन में 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के फैसले का जिक्र करते हुए विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया था, तब पूरा विपक्ष एकजुट होकर सवाल उठा रहा था कि अनुच्छेद 370 और आतंकवाद का आपस में क्या संबंध है। उस समय इस फैसले को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं, लेकिन आज इसके परिणाम दिखाई दे रहे हैं। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने से कश्मीर के युवाओं में अलगाववाद की भावना खत्म हुई है और घाटी में सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अमित शाह ने कहा कि 1990 के दशक में कश्मीर घाटी ने जिस उथल-पुथल और आतंकवाद का दौर देखा था, उसकी तुलना में आज स्थिति काफी बदली हुई है। उस दौर में आतंकवादी गतिविधियों और अलगाववादी विचारधारा का असर आम जनजीवन पर दिखाई देता था। लेकिन अब स्थानीय युवाओं के आतंकवादी संगठनों से जुड़ने की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। उनके मुताबिक, वर्तमान में घाटी में सक्रिय आतंकियों का संबंध पाकिस्तान से है। गृह मंत्री का यह बयान पुलवामा में हुई मुठभेड़ के बाद सामने आया है, जिसमें कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आखिरी ज्ञात स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट को मार गिराया था। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, लतीफ भट लश्कर का कमांडर था और लंबे समय से घाटी में सक्रिय था। उसकी मौत को स्थानीय आतंकवादी नेटवर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भाजपा में शामिल

नेशनल ओबीसी मोर्चा की कार्यकारिणी में बने स्पेशल इनवाइटी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल शनिवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्हें पार्टी की नई नेशनल ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी में स्थान मिला है और इस कार्यकारिणी में उन्हें 'स्पेशल इनवाइटी' बनाया गया है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। क्रिकेट के मैदान के बाद अब युजवेंद्र चहल के भाजपा से जुड़ने को लेकर राजनीतिक और खेल हलकों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। नेशनल ओबीसी मोर्चा की नई कार्यकारिणी में मिली इस जिम्मेदारी के साथ वे संगठन की गतिविधियों में जुड़े नजर आएंगे।

25 नवंबर से रोजाना होगी सुनवाई

NEET पेपर लीक मामले में 14 पर आरोप तय

मृदुभाषी। नई दिल्ली

दिल्ली की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शनिवार को NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में सभी 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं।

इन आरोपियों में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से जुड़े तीन सब्जेक्ट एक्सपर्ट भी शामिल हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के समक्ष सभी आरोपियों को पेश किया गया, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए मुकदमे का सामना करने की बात कही। अदालत ने आरोपियों के



विरुद्ध आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप तय किए हैं और अब इस मामले की रोजाना सुनवाई 25 नवंबर से शुरू होगी।

NEET-UG 2026 की परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 22 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी थी और फिर 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई गई। इससे पहले दिल्ली की अदालत ने 18 नवंबर को 206 पन्नों के अपने आदेश में सभी 14 आरोपियों पर आरोप तय करने का निर्देश देते हुए कहा था कि पहली नजर में साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात और भ्रष्टाचार के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अदालत के अनुसार, आरोपियों ने एनटीए की गोपनीय परीक्षा सामग्री अवैध रूप से हासिल की, उसका आदान-प्रदान किया और उपयोग किया, जिसे एक संगठित साजिश का हिस्सा माना गया है। कोर्ट ने मनीषा गुरुनाथ मंधारे, पीवी कुलकर्णी और मनीषा संजय हवालदार को एनटीए के लिए कार्य करने के कारण लोक सेवक माना है। आरोप है कि इन तीनों ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर गोपनीय प्रश्नपत्र सामग्री अवैध ढंग से प्राप्त की, जबकि बायोलॉजी की एक्सपर्ट मंधारे, केमिस्ट्री के पीवी कुलकर्णी और फिजिक्स की हवालदार पर परीक्षा सामग्री की गोपनीयता बनाए रखने का दायित्व था।

लवकुश चौराहे पर डबल डेकर फ्लाई ओवर की दूसरी भुजा का लोकार्पण कार्यक्रम अटका

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के के व्यस्ततम चौराहों में शुमार लवकुश चौराहे पर डबल डेकर फ्लाईओवर पूरी तरह तैयार होने के बावजूद आमजन को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। फ्लाईओवर की दूसरी भुजा का निर्माण कार्य पूरा हुए करीब एक माह का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक इस पर यातायात शुरू नहीं किया गया है। पूर्व में 28 अक्टूबर को इसका उद्घाटन प्रस्तावित था, किंतु कार्यक्रम स्थगित होने के बाद से शहरवासी इसके औपचारिक लोकार्पण का इंतजार कर रहे हैं। इस देरी का खामियाजा रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को भीषण ट्रैफिक जाम के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री एक भुजा का कर चुके है परीक्षण

उल्लेखनीय है कि फ्लाईओवर की एक भुजा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही परीक्षण के तौर पर आमजन के लिए शुरू कर चुके हैं। हालांकि, लवकुश चौराहा शहर का एक प्रमुख जंक्शन है, जहां से उज्जैन और सांवेर रोड की ओर प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी और हल्के वाहन गुजरते हैं। दूसरी भुजा चालू नहीं होने के कारण यातायात का पूरा दबाव अब भी नीचे के मार्गों पर बना हुआ है।



स्थिति तब और विकट हो जाती है जब फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड के चल रहे निर्माण कार्य के कारण वाहनों को बेहद संकरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। विशेष रूप से सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां लंबा जाम लग जाता है, जिससे सांवेर रोड की दर्जनों कॉलोनियों के रहवासियों के साथ-साथ उज्जैन जाने वाले श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

173 करोड का है फ्लाईओवर

करीब 173 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस महत्वाकांक्षी डबल डेकर फ्लाईओवर को बनने में साढ़े तीन साल से अधिक का समय लगा है। निर्माण अवधि के दौरान भी वाहन चालकों को लंबे समय तक मार्ग परिवर्तन और धूल-मिट्टी की दिक्कतें झेलनी पड़ी थीं। अब काम पूरा होने के बाद भी दूसरी भुजा बंद रहने से लोगों को अपेक्षित राहत नहीं मिल सकी है।

जानकारों का मानना है कि दूसरी भुजा शुरू होते ही वाहनों का बड़ा दबाव ऊपर शिफ्ट हो जाएगा, जिससे नीचे चौराहे पर यातायात सुगम होगा और सर्विस रोड का निर्माण कार्य भी तेजी से पूरा हो सकेगा। स्थानीय लोगों की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि एमआर-10 बायपास पर बने फ्लाईओवर को निर्माण पूरा होते ही बिना किसी औपचारिक उद्घाटन की प्रतीक्षा किए यातायात के लिए खोल दिया गया था, जिससे वहां तुरंत जाम से राहत मिल गई थी। इसके विपरीत लवकुश फ्लाईओवर की दूसरी भुजा अब भी बंद पड़ी है। इस संबंध में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि डबल डेकर फ्लाईओवर की एक भुजा से यातायात सुचारू है और दूसरी भुजा का लोकार्पण भी जल्द ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विषय में मुख्यमंत्री से चर्चा हो चुकी है और सर्विस रोड का निर्माण भी शीघ्र पूरा कराया जाएगा, ताकि जनता की सुविधाओं में कोई कमी न रहे।



फूटी कोठी चौराहे पर सब्जी मंडी हटाने के दौरान हंगामा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । शहर के फूटी कोठी चौराहे के पास बनी सालों पुरानी सब्जी मंडी को शनिवार को नगर निगम की रिमूवल टीम ने हटाने की कार्रवाई की, जिसके दौरान मौके पर जमकर हंगामा हुआ। कार्रवाई की सूचना मिलते ही नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट विरोध करने पहुंचीं और अधिकारियों से इसे रोकने की मांग की। उन्होंने पहले मंडी व्यापारियों के साथ सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया और बाद में हाथ जोड़कर कार्रवाई रोकने का निवेदन भी किया, लेकिन निगम की टीम ने अपना अभियान जारी रखा। विरोध के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने फोन पर निगम अधिकारी से कहा कि यहां पैसा कमाने की राजनीति चल रही है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि रिमूवल की कार्रवाई हुई तो उनसे बुरा कोई नहीं होगा और वे जान देने के लिए तैयार हैं। हालांकि, तमाम विरोध और मांगों के बावजूद कार्रवाई नहीं रुकी।

ब्रिज के नीचे ही सब्जी मंडी लगाने की मांग

मंडी व्यापारियों और नेता प्रतिपक्ष की मांग थी कि फूटी कोठी चौराहे के पास बने ब्रिज के नीचे ही सब्जी मंडी लगाने की अनुमति दी जाए। व्यापारियों का कहना था कि निगम उन्हें जो वैकल्पिक स्थान दे रहा है, वह उपयुक्त नहीं है क्योंकि वहां जगह काफी कम है और सभी व्यापारी अपना व्यवसाय व दुकानें नहीं लगा पाएंगे। जैसे ही निगम की टीम ने ठेले और अन्य सामान जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की, कुछ महिलाएं निगम के वाहन के सामने खड़ी हो गईं। हंगामे के दौरान एक महिला ने वाहन की चाबी भी निकाल ली, जिसे कुछ देर बाद वापस कर दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष लगातार अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर कार्रवाई रुकवाने का प्रयास करती रहीं, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने उन्हें वहां से हटाकर एक तरफ किया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह चौहान और महापौर ने इसी स्थान पर सब्जी मंडी लगाने की बात कही थी। वहीं, व्यापारी भी वैकल्पिक जगह को नाकाफी बताते हुए अपनी रोजी-रोटी को लेकर चिंतित नजर आए।

अब मोबाइल एप से कर सकेंगे संपत्ति कर का स्वकर निर्धारण

इंदौर। नगर निगम के राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 138(2) के तहत प्रत्येक भवन और भूमि के स्वामी के लिए स्वकर निर्धारण विवरणी प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसी प्रक्रिया के तहत अब संपत्ति मालिक एप पर आवश्यक जानकारी दर्ज कर ऑनलाइन विवरणी जमा कर सकेंगे।

बायपास पर कारों से भरे कंटेनर में लगी भीषण आग

तीन नई कारें जलकर खाक



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के कनाड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत बायपास स्थित होटल प्रेसिडेंट के सामने सर्विस लेन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नई कारों से भरे एक कंटेनर में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कंटेनर में लदी तीन नई कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। अचानक हुई इस घटना से मुख्य मार्ग और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही कनाड़िया थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, यह कंटेनर हरियाणा से टाटा मोटर्स की आठ नई कारें लेकर इंदौर आ रहा था। इन सभी वाहनों को शहर के स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटर के यहां डिलीवरी के लिए पहुंचाया जाना था। बताया जा रहा है कि सफर के दौरान कुछ गाड़ियों की डिलीवरी पहले ही दी जा चुकी थी, जबकि शेष तीन कारें कंटेनर के भीतर मौजूद थीं। जब कंटेनर बायपास पर होटल प्रेसिडेंट के सामने सर्विस लेन से गुजर रहा था, तभी वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया।

हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से हादसा

करंट और चिंगारी के कारण कंटेनर में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कंटेनर के अंदर रखी तीनों कारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में तीनों कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर खाक हो गईं, जिससे वाहन मालिकों और संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रारंभिक जांच में हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने को ही इस हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। हालांकि, कनाड़िया थाना पुलिस पूरे घटनाक्रम और आग लगने के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही हादसे से जुड़े अन्य तकनीकी पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

होलकर कालीन तिजोरी का होगा केमीकल ट्रीटमेंट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। होलकर राजवंश की ऐतिहासिक धरोहर लालबाग पैलेस में जारी संरक्षण और निर्माण कार्य के दौरान एक पुरानी होलकरकालीन तिजोरी मिली है। यह तिजोरी 17 नवंबर को पैलेस के टिकट काउंटर के पास पाथवे निर्माण के लिए की जा रही खोदाई के दौरान नजर आई।

तिजोरी के सामने आते ही इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगने शुरू हो गए। कुछ लोगों का मानना है कि यह जमीन की खोदाई में निकली है, तो कुछ का कहना है कि पुराने आरटीओ (रामपुरा कोठी) के खाली होने के समय इसे लाकर यहां रखा गया होगा।

लालबाग पैलेस परिसर में इन दिनों 47.59 करोड़ रुपये की सुंदरीकरण योजना के तहत मुख्य दरवाजे से लेकर मुख्य भवन तक विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम



में टिकट काउंटर के पास बना टिन शेड हटाया गया, जिसके नीचे मलबे में दबी यह तिजोरी दिखाई दी। पुरातत्व विभाग के उपसंचालक केएल डाबी ने बताया कि इस तिजोरी की जानकारी विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है। विभाग अब इस बात की जांच करेगा कि इसे यहां कब और क्यों रखा गया था, साथ ही इसे खोलकर भीतर मौजूद सामग्री की भी पड़ताल की जाएगी।

वर्ष 1900 के आसपास की प्रतीत हो रही तिजोरी

18 नवंबर को पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने तिजोरी का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में यह वर्ष 1900 के आसपास की प्रतीत हो रही है और इसका वजन लगभग 100 से 150 किलो के बीच है। वर्षों से भवन के बाहर पड़ी इस तिजोरी को अब सुरक्षित रूप से पैलेस के अंदर रखवा दिया गया है। आगामी दिनों में इसका केमिकल ट्रीटमेंट कराया जाएगा, जिससे इसके निर्माण की वास्तविक तिथि और अन्य ऐतिहासिक जानकारियां स्पष्ट हो सकेंगी।चूंकि तिजोरी की चाबी उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे विशेषज्ञों की देखरेख में ही खोला जाएगा। जांच और संरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे राजवाड़ा में तैयार की जा रही वीथिका में प्रदर्शित किया जाएगा, जहां पहले से ही विभिन्न आकारों की 14 ऐतिहासिक तिजोरियां मौजूद हैं।

7वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार के लिए परखे गए इंदौर के जल संरक्षण कार्य

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। सातवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार की प्रतियोगिता के तहत जल संरक्षण और पुनर्भरण कार्यों का आकलन करने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय जांच दल ने इंदौर का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पांचवीं बार हिस्सा ले रहा है। जांच दल में सेंट्रल वाटर कमीशन के डायरेक्टर करण सिंह सैनी, सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड के रीजनल सेंटर के वरिष्ठ विज्ञानी राकेश सिंह और वरिष्ठ विज्ञानी संजय कुमार नायक शामिल थे। निरीक्षण की शुरूआत में दल ने रेवती रेंज पहुंचकर वहां किए गए पौधरोपण और उपचारित जल से सिंचाई की व्यवस्था देखी। इसके बाद सदस्य डेली कॉलेज परिसर पहुंचे, जहां खेल मैदान और उद्यान में नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे उपचारित पानी से होने वाली सिंचाई प्रणाली का अवलोकन किया। बिजलपुर स्थित नर्मदा प्रोजेक्ट के स्काडा सेंटर में अधिकारियों ने टीम को शहर की जल आपूर्ति की



डिजिटल निगरानी प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान दल ने बिजलपुर स्थित निगम की एनएबीएल प्रमाणित जल परीक्षण प्रयोगशाला और प्रतीक सेतु के पास उपचारित पानी के उपयोग की व्यवस्था का भी जायजा लिया।

जनभागीदारी से किए जल पुनर्भरण कार्यों की सराहना

इसके अतिरिक्त, जांच दल ने रेसीडेंसी कोठी परिसर में एसएम 2.0 प्रोजेक्ट के तहत आइआइटी रुड़की द्वारा डिजाइन किए गए रिचार्ज शाफ्ट का निरीक्षण किया। सदस्य ट्रेजर टाउन कॉलोनी भी गए, जहां जनभागीदारी से किए गए जल पुनर्भरण कार्यों की सराहना की गई। इससे पहले गुरुवार शाम को दल ने सदर बाजार स्थित ऐतिहासिक भूत बावड़ी का दौरा किया था, जिसका निगम ने बीते एक वर्ष में जीर्णोद्धार किया है। साथ ही, सदस्यों ने डीआरपी लाइन स्थित उस पुराने कुएं को भी देखा, जिसे निगम ने पुनर्जीवित कर वहां हाईड्रेंट स्थापित किया है। पश्चिम जोन में इस पुरस्कार के लिए इंदौर का सीधा मुकाबला उज्जैन सहित गुजरात के भावनगर और सूरत से है। उज्जैन के बाद अब इंदौर का निरीक्षण भी पूरा हो चुका है।

म्यूल बैंक खाते के जरिए अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी का खुलासा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस आयुक्त के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में I4C, गृह मंत्रालय एवं राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय से प्राप्त संदिग्ध म्यूल बैंक खातों के डेटा के आधार पर के तहत जांच की गई। जांच में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा संयोगितागंज, इंदौर में खाताधारक तुषार खेड़े निवासी इंदिरा एकता नगर इंदौर के नाम से संचालित बैंक खाते का उपयोग साइबर धोखाधड़ी में होना पाया गया।

साइबर क्राइम पोर्टल के रिकॉर्ड में उक्त खाते के विरुद्ध राजस्थान के जिला हनुमानगढ़ में दो शिकायतें दर्ज मिलीं। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर थाना अपराध शाखा इंदौर में अपराध क्रमांक 197/2026, धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 के तहत खाताधारक एवं अन्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

विस्फोट में झुलसी कंटेंट क्रिएटर की होगी दिव्यांगता जांच

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने विजय नगर क्षेत्र में हुए गैस पाइपलाइन विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसी कंटेंट क्रिएटर जिनी झाला की दिव्यांगता जांचने के लिए मेडिकल बोर्ड को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं।

न्यायालय ने आगामी 30 नवंबर को इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में यह चिकित्सा परीक्षण करने के आदेश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर और न्यायमूर्ति पवन कुमार द्विवेदी की युगल पीठ ने पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता रितेश इनानी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता का पक्ष अधिवक्ता श्रवण लाहोटी ने प्रस्तुत किया।

उच्च न्यायालय ने पीड़िता जिनी झाला को निर्धारित तिथि पर मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, पीठ ने प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ताओं को भी इस संपूर्ण परीक्षण प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करने के लिए कहा है।

बोरवेल की खुदाई के दौरान हुआ था हादसा

उल्लेखनीय है कि यह भीषण हादसा 23 जून, 2026 को विजय नगर के सुमन नगर जैन मंदिर के पास हुआ था। बोरवेल की खुदाई के दौरान भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे गैस रिसाव के बाद भयंकर आग लग गई और विस्फोट हो गया।

इस दुर्घटना में जिनी झाला सहित चार नागरिक झुलस गए थे। जिनी की नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उनका प्रारंभिक उपचार इंदौर के बॉम्बे अस्पताल में किया था।इसके पश्चात उच्च न्यायालय के 25 जून के आदेश पर नगर निगम तथा राज्य सरकार ने जिनी को एयरलिफ्ट कराकर बेहतर इलाज के लिए अहमदाबाद के जायडस अस्पताल भेजा था। लंबे उपचार के बाद उनकी जान तो बच गई, लेकिन हाथ में दिव्यांगता आ गई है। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में दिव्यांगता की पुष्टि होने के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा उचित मुआवजे की मांग की जाएगी। उच्च न्यायालय इस मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी, 2027 को करेगा।

पेयजल संकट से निपटने तैयारी तेज, 22 नए स्थानों पर बनेंगे संप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। आगामी गर्मी के मौसम में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए इंदौर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कम बारिश के कारण भूजल स्तर नीचे जाने की आशंका के चलते निगम जल संग्रहण और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने में जुटा है। इसके तहत शहर में करीब 22 नए स्थानों पर संप विकसित किए जाएंगे, जबकि पहले से मौजूद 8 से 9 पुराने संप को भी दोबारा उपयोग में लिया जाएगा। इन नए संप के निर्माण के लिए अगले दो दिनों में टेंडर जारी करने की तैयारी है।

इस संबंध में शनिवार को एमआईसी मेंबर व जलकार्य प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा और एडिशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने निगम अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शहर के उन 20 से 25 वार्डों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया, जो डार्क और रेड जोन में आते हैं तथा जहां नर्मदा का पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता। प्रत्येक वार्ड की आवश्यकतानुसार टैंकरों की संख्या, उनके नेटवर्क और अंतिम छोर के परिवारों तक जल पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

अधिकांश स्थानों पर बोरवेल से हाइड्रेंट बनाए जाएंग

एडिशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने बताया कि नए संप के साथ अधिकांश स्थानों पर बोरवेल से हाइड्रेंट बनाए जाएंगे, जिससे टैंकरों को आसानी से भरा जा सकेगा। पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन स्थानों पर क्लोरीनेटर भी लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, निगम द्वारा अवैध नल कनेक्शनों को वैध करने का अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसके तहत पिछले चार दिनों में 988 कनेक्शन वैध किए गए हैं। लगभग 20 दिन बाद शुरू होने वाले दूसरे चरण में अवैध कनेक्शन पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सीधे प्योटर लगाकर पानी खींचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला की घरेलू सेवाओं का भी तय होगा आर्थिक मूल्य, 96 .55 लाख मुआवजा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। सड़क हादसे में जान गंवाने वाली महिला की आय की गणना करते समय अब केवल उसके व्यवसाय या नौकरी से होने वाली कमाई ही नहीं, बल्कि घर-परिवार संभालने और सदस्यों की देखभाल में दिए गए योगदान का भी आर्थिक मूल्य जोड़ा जाएगा। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने एक महत्वपूर्ण फैसले में व्यवसाय से 3.13 लाख रुपये वार्षिक कमाई करने वाली महिला की घरेलू सेवाओं का मूल्य भी 3.60 लाख रुपये सालाना माना है।

इस तरह अधिकरण ने महिला की कुल वार्षिक आय 6.73 लाख रुपये निर्धारित की और उसकी मृत्यु पर आश्रितों को 96 लाख 55 हजार 700 रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश बीमा कंपनी को दिया। ब्याज सहित यह राशि एक करोड़ रुपये से अधिक होगी।

प्रकरण में महिला के स्वजन की ओर से अधिवक्ता राजेश खंडेलवाल ने पैरवी की। उन्होंने महिला की व्यावसायिक कमाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों से जुड़े तथ्य अधिकरण के सामने रखे। मृतका अंजू जायसवाल दुर्घटना के समय व्यवसाय करती थीं। इसके साथ ही वे परिवार की देखभाल और घर की जिम्मेदारियां



भी निभाती थीं। अधिकरण ने माना कि महिला का योगदान केवल उसकी व्यावसायिक कमाई तक सीमित नहीं था। घरेलू श्रम और परिवार की देखभाल का भी स्वतंत्र आर्थिक महत्व है।

अधिकरण ने महिला की वर्ष 2022 से 2024 तक की तीन वर्षों की औसत वार्षिक व्यावसायिक आय 3 लाख 13 हजार 116 रुपये मानी। इसके अलावा परिवार के संचालन, बच्चों के पालन-पोषण और अन्य घरेलू जिम्मेदारियों के लिए 30 हजार रुपये प्रतिमाह यानी 3 लाख 60 हजार रुपये वार्षिक का मूल्यांकन किया।

इस तरह दोनों आय को मिलाकर कुल वार्षिक आय 6 लाख 73 हजार 116 रुपये मानी गई। विभिन्न मदों को जोड़ते हुए कुल 96 लाख 55 हजार 700 रुपये प्रतिकर निर्धारित किया गया। इस राशि पर 18 अप्रैल 2024 से भुगतान होने तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री संजय भाटिया पिताश्री चुन्नीलाल भाटिया** द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र प्रस्तुत का सम्पत्ति का **खाता क्रमांक 9000186479** पता **प्रकोष्ट क्र. एफ-15, भू.क्र. 15, के.बी. माल, योजना क्र. 31, स्नेह नगर, इंदौर** के नाम पर नामांतरण चाहा गया है। निगम रिकार्ड में दर्ज नाम **श्री प्रवीण पिताश्री हुकमतराम रतनानी**। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **22.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्तीय संस्था, बैंक, निकाय, व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्षमय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी छत्रपति शिवाजी (कृषि विहार) झोन क्रमांक 18 नगर निगम इंदौर

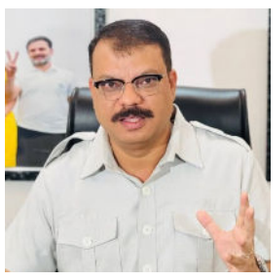
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्री निलेश कुमार तलेरा, श्रीमती अमिता तलेरा** पिन **1001017500 पैकी भाग**, झोन क्र. 08 वार्ड क्र. 37 । पता **86-ए, महालक्ष्मी नगर, इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **22.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें । समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

'कोरोना योद्धाओं' के रोजगार पर सियासत

मृदुभाषी। इंदौर



मध्य प्रदेश में कोरोना महामारी के कठिन दौर में अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा करने वाले करीब 4 हजार स्वास्थ्यकर्मियों की नौकरी का मुद्दा एक बार फिर सियासी केंद्र में आ गया है। महामारी के समय दिन-रात अस्पतालों में ड्यूटी निभाने वाले ये कर्मचारी अब रोजगार के लिए राजधानी भोपाल में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर इन कर्मचारियों को दोबारा नौकरी देने और सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में समायोजित करने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में उल्लेख किया कि कोरोना संक्रमण के चरम दौर में डॉक्टर, आयुष चिकित्सक, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और एएनएम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने करीब दो वर्षों तक पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ सेवाएं दीं। संक्रमण के गंभीर खतरे के बावजूद इन कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की देखभाल की और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को संभाले रखा। लेकिन महामारी का दौर थमने के बाद इनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं, जिसके चलते अब लगभग 4 हजार स्वास्थ्यकर्मी अपने रोजगार और सुरक्षित भविष्य के लिए कई दिनों से भोपाल में आंदोलनरत हैं। उमंग सिंघार ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में रिक्त पदों का मुद्दा उठाते हुए सरकार की नीति पर सवाल खड़े किए हैं।

इंदौर में मोहन मुनि की गुणानुवाद सभा में दिखा श्रद्धा का दुर्लभ नजारा

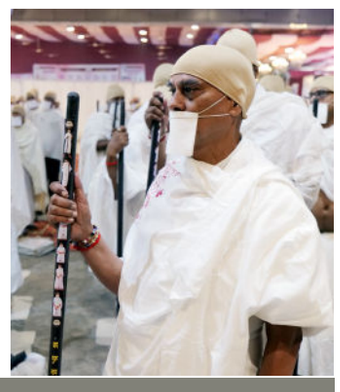
हाथों में डंडा थामकर खड़ी सामायिक

मृदुभाषी। इंदौर

दिवाकर दरबार, नरसिंह वाटिका, एयरपोर्ट रोड पर शनिवार को मोहन मुनि की गुणानुवाद सभा में आस्था और परंपरा का ऐसा अनूठा दृश्य देखने को मिला, जिसे मौजूद श्रद्धालुओं ने जीवन का अविस्मरणीय पल बताया। डॉ. कुमुद लता आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में आयोजित इस सभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया और तप व गुरुभक्ति के रंग में रंगे नजर आए।

सभा का सबसे भावनात्मक और खास क्षण वह रहा, जब सभी श्रावक-श्राविकाओं ने हाथ में डंडा लेकर खड़ी सामायिक की। मोहन मुनि के पास हमेशा जैन दिवाकर चौथमल का काला डंडा रहता था, जिसे लब्धिदायक माना जाता था। उसी परंपरा को याद करते हुए श्रद्धालुओं ने हाथ में डंडा लेकर सामायिक साधना की और दिवाकर व मोहन चालीसा का पाठ किया। एक साथ सैकड़ों हाथों में डंडा और जुबान पर चालीसा के स्वर से पूरा दिवाकर दरबार भक्तिमय ऊर्जा से गूंज उठा। आयोजन के तहत रविवार, 22 नवंबर 2026 को सुबह 8.45 बजे जैन दिवाकर चौथमल की गुणानुवाद सभा होगी, जिसमें दिवाकर चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसी अवसर पर बाबूलाल पितलिया परिवार को अभय कुमार व अनिल कुमार पोखरना परिवार की ओर से जैन दिवाकर मोहन सेवा अवॉर्ड दिया जाएगा, जबकि व्यवस्था लाभचंद-शुभचंद पेड़ी संभाल रही है और गौतम प्रसादी का संयोजन श्रावक संघ महावीर भवन के तहत लाभार्थी पितलिया परिवार कर रहा है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि तथा मानकचंद तालेड़ा, सुनील गांग, कांतिलाल जैन और दिलीप सुराणा विशेष अतिथि रहेंगे। इसके बाद सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक जैन दिवाकर कमला मेला लगेगा, जिसमें आकर्षक स्टॉल, निःशुल्क खरीदारी और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ धर्म, संस्कृति व मनोरंजन का संगम दिखेगा।





निर्भयता के संकल्प और सेवा कार्यों का स्मरण

इस अवसर पर डॉ. कुमुद लता ने मोहन मुनि के तप, वचन सिद्धि और श्रमण संघ के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि मोहन मुनि केवल एक नाम नहीं, बल्कि तप की एक परंपरा हैं और उनके हाथ का काला डंडा निर्भयता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि डंडा थामकर सामायिक करने का अर्थ निर्भय होकर धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लेना है। उन्होंने इंदौर महावीर भवन के जीर्णोद्धार, रतलाम कोठी स्थानक, महावीर नगर स्थानक और रतलाम जैन दिवाकर हॉस्पिटल के निर्माण में उनकी प्रेरणा का विशेष उल्लेख किया। खड़ी सामायिक की व्यवस्था में अशोक मधु मंडलीक ने सहयोग दिया, जबकि संचालन चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन ने किया। अंत में महासती मंडल को नमन कर सामूहिक मंगल पाठ किया गया।

डिजीलॉकर पर मिलेंगी मार्कशीट-डिग्री; चार साल तक का अटका रिकॉर्ड होगा अपलोड

भोपाल। प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से वर्ष 2021 से 2025 के बीच उत्तीर्ण हुए करीब 30 से 35 लाख विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। तकनीकी बाध्यताओं के कारण डिजीलॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सकीं अंकसूची, डिग्री और क्रेडिट अब उपलब्ध कराए जाएंगे। इस व्यवस्था के शुरू होने से स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा के विद्यार्थियों को अपने महत्वपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज डिजिटल रूप में प्राप्त करने में आसानी होगी।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को लंबित रिकॉर्ड जल्द अपलोड करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस निर्णय का सीधा लाभ प्रदेश के 19 विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग तथा स्वशासी महाविद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा। मध्य प्रदेश में यह सुविधा शुरू हो चुकी है और 31 जनवरी 2027 तक उपलब्ध रहेगी। संस्थानों द्वारा रिकॉर्ड अपलोड किए जाने के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा विद्यार्थियों की अंकसूची व डिग्री अपार आईडी से लिंक होकर डिजीलॉकर पर उपलब्ध हो सकेंगी। इस सुविधा से विद्यार्थियों को नौकरियों में आवेदन, उच्च शिक्षा में प्रवेश, क्रेडिट ट्रांसफर तथा दस्तावेज सत्यापन के लिए बार-बार विश्वविद्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 31 जनवरी के बाद समय-सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार से शुक्रवार दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे तक वर्चुअल हेल्प सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। डिजीलॉकर या अपार आईडी में डेटा अपडेट नहीं होने पर विद्यार्थी हेल्पलाइन नंबर 1800-889-3511 पर संपर्क कर सकते हैं।

क्रियान्वयन और सर्वाधिक ऋण वितरण में मिले दो राष्ट्रीय पुरस्कार, इंदौर भी अव्वल

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में मध्यप्रदेश ने लहराया परचम

मृदुभाषी। भोपाल

रेहड़ी-पटरी लगाकर परिवार की आजीविका चलाने वाले छोटे कारोबारियों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के मामले में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और सर्वाधिक ऋण वितरण, इन दोनों ही श्रेणियों में प्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है।

इस उपलब्धि के साथ मध्यप्रदेश के तीन नगरीय निकायों इंदौर, सारणी और बालाघाट ने भी अलग-अलग श्रेणियों में राष्ट्रीय स्तर पर स्थान बनाकर प्रदेश की साख को और मजबूत किया है। नई दिल्ली में आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्यमंत्री तोखन साहू ने ये पुरस्कार प्रदान किए। प्रदेश को मिली इस सफलता के पीछे योजना के तहत हुए व्यापक ऋण वितरण और बड़ी संख्या में छोटे कारोबारियों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने के निरंतर प्रयास प्रमुख रहे हैं। मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से अब तक 10 लाख 87 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को लाभान्वित किया जा चुका है। इन हितग्राहियों के लिए 17.22 लाख से अधिक ऋण प्रकरणों के जरिए करीब 2827.84 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। योजना के अंतर्गत बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे कार्यशील पूंजी का ऋण मिलने से छोटे कारोबारियों को अपना रोजमर्रा का कामकाज चलाने और आवश्यकता के अनुसार व्यापार का विस्तार करने में बड़ी राहत मिली है। फल-सब्जी विक्रेताओं, ठेला संचालकों, खाद्य सामग्री बेचने वालों और अन्य छोटे कारोबारियों को इससे सीधा लाभ मिला है। पहले जिन छोटे व्यापारियों के लिए बैंकों से कर्ज लेना कठिन होता था, वे अब संस्थागत वित्तीय व्यवस्था का अहम हिस्सा बन रहे हैं।

आत्मनिर्भर बनते छोटे हाथ, सशक्त होती अर्थव्यवस्था: रेहड़ी-पटरी लगाकर परिवार पालने वाले छोटे कारोबारियों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना वास्तविक आर्थिक समावेशन की मिसाल है। पीएम स्वनिधि योजना में मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आना यह दर्शाता है कि बिना गारंटी कार्यशील पूंजी मिलने से मेहनतकश वर्ग अपने व्यवसाय को नई दिशा दे सकता है। प्रदेश में 10.87 लाख से अधिक वेंडर्स का लाभान्वित होना, 40 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी और 7.61 लाख विक्रेताओं का डिजिटल भुगतान अपनाना बदलते आर्थिक परिदृश्य का प्रमाण है। इंदौर, सारणी और बालाघाट जैसे निकायों की सफलता बताती है कि सही नीति और प्रशासनिक इच्छाशक्ति से छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक स्वावलंबन की राह आसान हो सकती है।



नगरीय निकायों का प्रदर्शन: इंदौर अव्वल, सारणी और बालाघाट भी चमके

राज्य स्तर की उपलब्धि के साथ ही प्रदेश के नगरीय निकायों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाई है। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में इंदौर नगर निगम को देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं टाउन सिटी श्रेणी में सारणी नगर पालिका परिषद दूसरे स्थान पर और बालाघाट नगर पालिका परिषद तीसरे स्थान पर रही। इन निकायों में पथ विक्रेताओं की पहचान, ऋण आवेदनों की प्रक्रिया, बैंकों के साथ समन्वय और पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के ठोस प्रयासों को पुरस्कार का आधार माना गया। जनजातीय बहुल बालाघाट का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह दर्शाता है कि योजना का लाभ बड़े महानगरों के साथ-साथ छोटे शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों तक भी प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है।

दूरस्थ व छोटे शहरों तक लाभ

दो राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद अब प्रदेश के समक्ष योजना के लाभ को अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं तक पहुंचाने की बड़ी चुनौती और अवसर दोनों मौजूद हैं। विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरस्थ नगरीय क्षेत्रों में ऐसे कारोबारियों की पहचान करना, समय पर ऋण स्वीकृति दिलाना और डिजिटल भुगतान के उपयोग को और बढ़ाना आगे की प्राथमिकता माना जा रहा है। योजना के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि पीएम स्वनिधि छोटे कारोबारियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है।

7.61 लाख से अधिक वेंडर्स जुड़े डिजिटल भुगतान से, करीब 40 प्रतिशत महिलाएं

पीएम स्वनिधि योजना के तहत न केवल ऋण वितरण पर ध्यान केंद्रित किया गया, बल्कि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। प्रदेश के 7.61 लाख से अधिक पथ विक्रेता डिजिटल भुगतान प्रणाली से जुड़ चुके हैं और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन देने के लिए उन्हें 59.72 करोड़ रुपये से अधिक की कैशबैक प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई है। योजना के कुल लाभार्थियों में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है, जिससे महिला स्ट्रीट वेंडर्स को भी अपने कारोबार के लिए पूंजी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की औपचारिक व्यवस्था से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है।

पालकी में विराजमान होंगे भगवान

कुबेरेश्वरधाम में होगा भव्य हरि-हर मिलन महोत्सव



मृदुभाषी। सीहोर

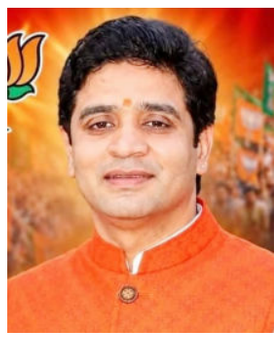
आस्था, समर्पण और सनातन संस्कृति की समन्वयकारी परंपरा का प्रतीक भव्य हरि-हर मिलन महोत्सव सोमवार को चितावलिया हेमा स्थित कुबेरेश्वरधाम में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी यानी बैकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर होने वाले इस आयोजन को लेकर धाम परिसर में व्यापक तैयारियां की गई हैं। शाम 5 बजे भगवान को आकर्षक पालकी में विराजमान कर मंदिर परिसर में पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव और भगवान विष्णु के दिव्य मिलन के साक्षी बनेंगे।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष होने वाला यह धार्मिक महोत्सव इस वर्ष भी सादगी और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया जाएगा। आयोजन के तहत सोमवार, 23 नवंबर को शाम 5 बजे भगवान की सुसज्जित पालकी निकाली जाएगी, जो मंदिर परिसर में भ्रमण करेगी। इस दौरान श्रद्धालु भजन, कीर्तन, भगवान के स्मरण और जयकारों के साथ चल समारोह में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान विष्णु को हरि और भगवान शिव को हर कहा जाता है, तथा हरि-हर मिलन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सनातन संस्कृति में एकता, श्रद्धा और समर्पण का संदेश देने वाली जीवंत परंपरा है। उन्होंने बताया कि इस मिलन के माध्यम से शैव और वैष्णव परंपराओं के बीच आपसी सम्मान और समन्वय का भाव प्रकट होता है, जिसके दर्शन के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु कुबेरेश्वरधाम पहुंचते हैं। महोत्सव में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विट्ठलेश सेवा समिति और प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

कार्यकर्ताओं और समाजजनों में हर्ष

दीपक जैन (टीनू) बने भाजपा प्रदेश सह कोषाध्यक्ष

मृदुभाषी। इंदौर



पूर्व पार्षद, युवा समाजसेवी और विभिन्न धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं से जुड़े दीपक जैन (टीनू) को मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मनोनयन की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और जैन समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने उनकी संगठन के प्रति निष्ठा, ईमानदारी, सेवाभाव और युवाओं के बीच लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा है।

दीपक जैन (टीनू) पूर्व पार्षद के तौर पर क्षेत्र में विकास कार्यों, स्वच्छता, जनसेवा और धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए पहचाने जाते हैं तथा लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहकर कार्य कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर समाजजनों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों में अचल चौधरी, डीपीन जैन, रमेश भण्डारी, प्रकाश भटेवरा, जिनेश्वर जैन, राजेश मेहता, राजकुमार जैन, हेमन्त बोहरा, गजेन्द्र बोड़ाना, रोहित जेलमी, गर्वित बोड़ाना, हनी चोरड़िया, संकेत जैन, अभय झेलावत, ललित संचेती, दिलीप सी. जैन, हितेंद्र मेहता, हुलास बेताला, नरेन्द्र भण्डारी, विनोद पोरवाल, हंसकुमार जैन, समरथ मल कोठारी, हिमांशु बेटादरा, महेंद्र डागरिया, महावीर नाबरिया, दिलीप जैन लोढ़ा, मुकेश कुकड़ा, पीयूष जैन, कमलेश कोठारी, नरेन्द्र संचेती, रुचिल डोसी, आशीष धारीवाल, नवीन जैन, शैलेन्द्र नाहर, मनोज लोढ़ा, पदम तातेड, अशोक मंडलीक, दिलीप डोसी, आशीष मेहता, रितेश कटकानी, रेणु जैन और पुष्पा डागरिया सहित अनेक लोग शामिल रहे। सभी ने विश्वास जताया कि उनके दायित्व संभालने से संगठन को आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता और नई ऊर्जा मिलेगी।

भोपाल के सरस्वती विद्या मंदिर में नई सुविधाओं का लोकार्पण: शिक्षा का मकसद सिर्फ डॉक्टर-इंजीनियर बनाना नहीं, संस्कारवान पीढ़ी गढ़ना है

मृदुभाषी। इंदौर

हर्षवर्धन नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को आयोजित समारोह में विद्यार्थियों के लिए नई शैक्षिक व सहशैक्षिक सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर नवनिर्मित वंदना हॉल, कंप्यूटर प्रयोगशाला कक्ष और टॉय लाइब्रेरी की शुरुआत हुई, जिससे विद्यालय की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी व रोचक बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी ने अपने संबोधन में शिक्षा के वास्तविक अर्थ और उद्देश्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी शिक्षा किस काम की जो मनुष्य को मनुष्य न बना सके, इसलिए हमें शिक्षा के असली मकसद को समझना और बच्चों को समझाना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्य केवल डॉक्टर और इंजीनियर तैयार करना नहीं है, बल्कि संस्कारवान, चरित्रवान और राष्ट्र के प्रति समर्पित भावी पीढ़ी का निर्माण करना है, जिसके लिए सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या मंदिर निरंतर काम कर रहे हैं। निखिलेश महेश्वरी ने बताया कि वर्ष 1952 में शुरू हुई विद्या भारती 2027 में अपने 75 वर्ष पूरे करने जा रही है और वर्तमान में देशभर में इससे जुड़ी संस्थाओं में करीब 37 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल में जोड़ी गई नई सुविधाएं छात्रों की प्रतिभा निखारने, रचनात्मकता व तकनीकी कौशल को बढ़ाने और संस्कारयुक्त शिक्षा के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होंगी। समारोह का उद्देश्य बच्चों को बेहतर संसाधन और उनके समग्र विकास के अनुकूल माहौल देना रहा। नए वंदना हॉल, कंप्यूटर प्रयोगशाला और टॉय लाइब्रेरी के शुरू होने से विद्यार्थियों को सीखने व आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल लोकसभा सांसद आलोक शर्मा मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक भगवानदास सबनानी, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता और लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. सुनील रॉय शामिल हुए। शुरुआत अतिथि स्वागत से हुई, स्वागत भाषण पीयूषपाणी शर्मा ने दिया और आयोजन योगेंद्र कुलश्रेष्ठ के मार्गदर्शन में हुआ, जबकि अंत में प्रधानाचार्य नम्रता तिवारी ने आभार जताया।





सम्पादकीय

सोशल मीडिया न बने विद्रूपता का चेहरा

इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया समाज में सहज-सरल संवाद व मुखर अभिव्यक्ति का माध्यम बना है। लेकिन इसमें संपादक नामक संस्था न होने के कारण यह माध्यम धीरे-धीरे अराजक सामग्री, हिंसक अभिव्यक्ति और अश्लीलता का प्रसारक व पोषक बनता जा रहा है। दरअसल, इन कंपनियों का प्रारूप कुछ इस तरह बनाया गया है कि सामाजिक मर्यादाओं का अतिक्रमण करने वाली और बच्चों के मन-मस्तिष्क पर बुरा असर डालने वाली सामग्री दर्शकों का ध्यान ज्यादा खींचती है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया माध्यमों पर बच्चों के यौन-शोषण से जुड़ी सामग्री के विज्ञापनों के प्रसारण को लेकर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया था। बाकायदा मेटा को इस बाबत नोटिस भी दिया गया था। तब भी इन कंपनियों की जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगे थे। विडंबना ही है कि हिंसक, अश्लील व सनसनी फैलाने वाली सामग्री को दर्शकों की ज्यादा प्रतिक्रिया मिलती है, जो इन कंपनियों के अर्थशास्त्र का आधार भी है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं की अभिरुचि और प्रतिक्रिया के चलते ऐसी सामग्री का अधिक प्रसार करने लगता है। अब सरकार की प्रतिक्रिया व कुछ प्रबुद्ध लोगों के प्रतिरोध के बाद इंस्टाग्राम ने अपने कंटेंट रिकमेंडेशन सिस्टम में बदलाव लाने की बात कही है। इसके अंतर्गत दावा किया जा रहा है कि एआई की मदद से अश्लील व हिंसक सामग्री की संस्तुति को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही हटाने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी सामग्री को बढ़ावा देने में कंपनी की कोई भूमिका होती है? यदि नहीं, तो इसे कौन बढ़ावा देता है? सवाल यह भी है कि प्लेटफॉर्म पर सामग्री की निगरानी करने वाला एल्गोरिद्म भारतीय परिवेश में वर्जित सामग्री को लेकर अपेक्षित संवेदनशीलता दिखा पाएगा? बहुत संभव है कि सोशल मीडिया पर सूचनाओं व कार्यक्रमों का स्वरूप निर्धारित करने में पश्चिमी समाज का दृष्टिकोण प्रभावी होता हो। तो क्या एआई आधारित निगरानी व्यवस्था समस्या का संपूर्ण समाधान दे पाएगी?

वास्तव में इस बात की संभावना कम ही नजर आती है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फिल्टरिंग व्यवस्था सोशल मीडिया पर अश्लील व आपत्तिजनक सामग्री पर पूरी तरह नियंत्रण लगा सकेगी। मशीन मानवीय अहसासों को पूरी तरह नहीं समझ सकती। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ मानवीय निगरानी और शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का तंत्र भी बने। अब तो जो पश्चिमी देश कल तक सोशल मीडिया का गुणगान करते नहीं अघाते थे, वे भी इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझने लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, स्कॉटलैंड आदि देशों ने एक निर्धारित उम्र के किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगाई है। न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिए जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्क सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी हुई है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों से खतरा बढ़ गया है। लेकिन भारत जैसे देशों में सोशल मीडिया के बच्चों के जीवन पर घातक प्रभावों के बावजूद नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती है। मांग की जा रही है कि एक निर्धारित आयु से अधिक उम्र के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें। विडंबना यह भी है कि बच्चों को संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले स्वार्थी तत्व दे रहे हैं, जो भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं।

समुद्री मार्गों को सुचारु रखने में भारत की भूमिका

एस.एस. मेहता

हर सैनिक यह सीखता है कि कोई ज़मीन या इलाका कभी तटस्थ नहीं रह सकते। एक पुल या पहाड़ी दर्रा किसी लड़ाई का नतीजा तय कर सकता है। समुद्र में, 'स्ट्रेट्स' (संकरे समुद्री मार्ग) की अहमियत भी उतनी ही है। इन मार्गों को सुरक्षित करके व्यापार को निरापद बनाया जा सकता है, दुश्मन पर दबाव डालने के काम आ सकते हैं या किसी लड़ाई की दिशा बदल सकते हैं।

इतिहास में इसकी भारी कीमत दर्ज है। 1915 में गैलीपोली में भारतीय सैनिकों ने ऐसे अभियान में हिस्सा लिया था, जो अंततः बड़ी विफलता सिद्ध हुआ। आज, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव व्याप्त है और बाब अल-मंदेब के पास हमले हो रहे हैं, तो भारतीय नौसैन्य युद्धपोत व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता पार कराने में मदद कर रहे हैं। एक जगह बनी बाधा का असर दूर तक फैलता है। 'चोकपॉइंट' का मतलब अब सिर्फ वह समुद्री रास्ता नहीं रहा जिस पर युद्धपोत नज़र रखते हैं। इसमें समुद्र तल पर डली डेटा केबल, ईंधन ढुलाई जलमार्ग, अथवा भोजन एवं दवा आपूर्ति शृंखला भी शामिल है। कोविड-19, जलवायु परिवर्तन और युद्धों ने दर्शाया है कि दुनिया के एक भाग में रुकावट कैसे दूसरे कोने के लोगों की आजीविका प्रभावित करती है। अब इसमें एक चौथा 'सी' अवयव भी जुड़ गया है : चोक पॉइंट्स का इस्तेमाल हथियार के रूप में करना। जिन लोगों को सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ता है, अक्सर उन्हीं की बात सबसे कम सुनी जाती है। नेटवर्क टूटने में किसी का फायदा नहीं।

जब कोई एक समुद्री मार्ग बंद हो जाए, तो युद्धस्थल से बहुत दूर तक भी उसका असर होता है। ऐसे में कोई मालवाहक जहाज़ वहां से नहीं गुजर पाता। केरल का कोई परिवार खाड़ी देशों से आने वाले धनार्जन के इंतज़ार



में होता है। किसान के लिए डीज़ल और खाद महंगे हो जाते हैं। बीमा प्रीमियम बढ़ते हैं, और जिन देशों का उस विवाद से लेना-देना नहीं, उन्हें भी उसका बोझ उठाना पड़ता है। ऐसे में 'डिटरेंस' (दुश्मन को भयाक्रांत कर हतोत्साहित करने की क्षमता) मायने रखती है; वहीं स्पष्ट नियम, समय पूर्व जानकारी साझा करना और सेवाओं को तेज़ी से बहाल करने की क्षमता भी ज़रूरी है। अपनी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति से भारत का सीधा हित एवं विशेष ज़िम्मेदारी जुड़ी है। हिंद महासागर जलराशि पश्चिम में होर्मुज़ और बाब अल-मंदेब को पूर्व में मलक्का जलडमरूमध्य से जोड़ती है। भारत की समृद्धि उन समुद्री रास्तों पर निर्भर है जो खुले रहें और जिनका पूर्वानुमान लगाया जा सके। भारत की केंद्रीय स्थिति सहयोग का आधार बन सकती है, न कि अड़ंगा डालने का ज़रिया। हिंद महासागर किसी एक देश की जागीर नहीं। इसके समुद्री रास्तों पर पूर्वी अफ्रीका से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया तक की अर्थव्यवस्थाएं टिकी हैं, इसलिए इन रास्तों तक मुक्त पहुंच कायम रखने में जो हित भारत का है, वही कई अन्य देशों का भी है।

विभक्त विश्व में रणनीतिक स्वायत्तता : रणनीतिक स्वायत्तता का उद्देश्य भारत को कार्रवाई करने की अपनी आजादी से कहीं अधिक हो। विभक्त विश्व में, भारत का आकार और विदेशी क्षेत्रीय प्रभुत्व से बचे रहने का उसका इतिहास अशांति को शांति में बदलने का मौका देता है। विश्वास आचरण के जरिए अर्जित होता है, खासकर छोटे पड़ोसियों के प्रति व आपदा राहत कार्यों में शीघ्र मदद से। भारत के पास अगुवाई कर सार्थकता बनाने का अनुभव है। भारतीय सैनिकों ने दशकों तक संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा में सेवा दी। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का सह-स्थापन और आपदा प्रबंधन अवसंरचना गठबंधन की शुरुआत की। 'वैक्सीन मैत्री' ने छोटे द्वीपीय देशों समेत दुनियाभर में इसकी डोज़ भेजीं। 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' तट पर समुद्री डाकू प्रतिरोधक भारतीय गश्ती दलों ने कई देशों के जहाजों को सुरक्षा दी। ये ऐसी जिम्मेदारियां हैं जिन्हें निभाना एक जरूरत है। निगरानी, सुरक्षा और बचाव करने में सक्षम नौसेना अपने हित सुरक्षित करते हुए, व्यापार मार्ग सुचारु रखती है।

अगुवाई कोई निष्क्रिय काम नहीं : यह विश्वसनीय क्षमता की मांग करती है। भारत को निरापद समुद्री मार्ग और डिजिटल लोचशील तंत्र स्थापित करना होगा, वह जो व्यवधानों की रोकथाम करे और साझा मार्गों को दबाव बनाने का जरिया बनाने से रोके। सुरक्षा अंततः लोगों से जुड़ी है, और उनकी आजीविका समुद्री मार्ग से माल ढुलाई, टैंकरों द्वारा आने वाले ईंधन और केबलों से संचारित डेटा पर निर्भर करती है। यही चीज़ मानवता को साझा वैश्विक संसाधन के रूप में मानने का अर्थ है। यह कोई कानूनी श्रेणी अथवा स्वामित्व का दावा नहीं, व्यावहारिक सिद्धांत है। पहुंच मार्गों की सुरक्षा करना, व्यवधान कम करना और पुनर्स्थापन को संभव बनाना।

धर्म-ज्योतिष

शीघ्र विवाह के लिए 25 नवंबर से रखें मां कात्यायनी व्रत, यह है पूरी पूजा विधि

क्या आपके शीघ्र विवाह में बाधाएं आ रही है? काफी कुछ उपाय किए हैं, लेकिन फिर भी हल नहीं हो रहा है। मां दुर्गा के नौ स्वरुपों में छठा छठा स्वरूप मां कात्यायनी का है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कात्यायनी की पूजा-आराधना करने से विवाह में चल रही सभी बाधाएं दूर होती हैं और मनचाह जीवनसाथी पाने की मनोकामना पूर्ण होती है। इसी कारण से विवाह योग्य लड़कियां अच्छा वर और शीघ्र विवाह की कामना के लिए मां कात्यायनी का व्रत रखती हैं। आपको बताते चलें कि, इस व्रत का संबंध द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण को पति रुप में पाने के लिए ब्रज को गोपियों द्वारा की गई पूजा से संबंधित है। आइए आपको मां कात्यायनी के व्रत का महत्व, व्रत रखने की सही तिथि, कथा और पूजा विधि के बारे में बताते हैं। इस साल 2026 में मार्गशीर्ष महीने का आरंभ 25 नवंबर, बुधवार से हो रहा है। यह महीना मां कात्यायनी की आराधना के लिए काफी विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को ब्रज की गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण को पति के रुप में पाने के लिए पूरे मार्गशीर्ष महीने में मां कात्यायनी का व्रत किया था।



समसामयिक

गंभीर रोगों की वजह बन रहा है माइक्रोप्लास्टिक

प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण एवं मानव जीवन के लिए एक विकराल संकट बन चुका है। इसका मानव स्वास्थ्य पर बेहद गंभीर और व्यापक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। हालिया शोध में पाया गया कि धमनियों में माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक जमा होने से दिल का दौरा, स्ट्रोक और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर के लिवर, गुर्दे, फेफड़ों, यहां तक कि प्लेसेंटा यानी अपरा में भी पाए गए हैं, जो इन अंगों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। सामान्य प्लास्टिक में पाया जाने वाला बिसफिनॉल एस नामक रसायन भी स्तन कैंसर की आक्रामकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। अब तो लैंडफिल से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे के विषैले रासायनिक पदार्थ बीपीए यानी बिसफेनॉल ए पर्यावरण में फैल रहे हैं। इससे आसपास के तकरीबन दो किलोमीटर के दायरे में कृषि भूमि और जलस्रोत प्रदूषित होने का खतरा पैदा हो जाता है। राजस्थान केंद्रीय



विश्वविद्यालय, अजमेर के शोध अध्ययन के अनुसार, डंपिंग यार्ड में दबाया गया प्लास्टिक कचरा टूटकर मिट्टी और जल में हानिकारक रसायन बीपीए छोड़ता है। अध्ययन की प्रमुख शोधकर्ता का कहना है कि डंपिंग यार्ड के पास मिट्टी और जल के नमूनों की जांच में बीपीए के चिंताजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रमुख शोधकर्ता के अनुसार, भारत में जल और कृषि मिट्टी की जांच में बीपीए की जांच शामिल नहीं है, क्योंकि वर्तमान में इसके लिए देश में कोई सरकारी नियम नहीं है, जबकि यूरोपीय संघ में बीपीए के संबंध में सख्त नियम हैं।

सच तो यह है कि प्लास्टिक सैकड़ों सालों तक विघटित नहीं होता और नदियों, समुद्रों तथा मिट्टी में मिलकर वन्यजीवों और जलीय जीवों के जीवन के लिए खतरा बनता जा रहा है। बदलती जीवनशैली और जागरूकता के अभाव में प्लास्टिक का दिनोंदिन बढ़ता चलन खतरनाक साबित हो रहा है। तमाम प्रयासों और प्रतिबंधों के बावजूद प्लास्टिक कचरे का बढ़ता बोझ पर्यावरण के साथ-साथ प्राणी मात्र के जीवन के लिए गंभीर संकट बन चुका है। शहरीकरण, खान-पान की बदलती आदतें, बाहर से खाना मंगाने की बढ़ती प्रवृत्ति और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की प्लास्टिक पैकेजिंग इसके प्रमुख कारण हैं। आज इंसानी जीवन पूरी तरह प्लास्टिक पर निर्भर हो गया है। इसके इस्तेमाल की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसे बहुत कम खर्च में तैयार किया जाता है और यह हल्का होने के कारण आसानी से लाया-ले जाया जा सकता है।

व्यापार

मालस व क्लॉबैक प्रावधान भी लागू

इंडसइंड बैंक ने पूर्व एमडी व सीईओ सुमंत कथपालिया की सेवाएं समाप्त

मृदुभाषी। नई दिल्ली

इंडसइंड बैंक ने अपने पूर्व प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमंत कथपालिया की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। यह कदम उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी होने के बाद उठाया गया है।

बैंक के निदेशक मंडल ने 20 नवंबर को हुई बैठक में यह निर्णय लिया, जो मुंबई उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश द्वारा 18 नवंबर 2026 को सौंपी गई जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों पर आधारित है। बैंक ने 24 मार्च 2020 से लागू होने वाले मालस और क्लॉबैक प्रावधानों को भी लागू करने का फैसला किया है,



जो कथपालिया की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नियुक्ति की तारीख है। नियामक फाइलिंग के अनुसार यह कार्रवाई 29 अप्रैल और 21 मई 2025 को दी गई पिछली जानकारियों तथा वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 की वार्षिक रिपोर्टों में किए गए उल्लेख की निरंतरता में की गई है। कथपालिया ने 29 अप्रैल 2025 को पद से इस्तीफा दिया था, जिसे बोर्ड ने स्वीकार कर लिया था, लेकिन अगली सूचना तक उनके बैंक के रोजगार में बने रहने की स्थिति बताई गई थी। इसके बाद बैंक की आंतरिक आचार संहिता के तहत अनुशासनात्मक प्रक्रिया शुरू हुई और कार्रवाई पूरी होने तक उन्हें 18 जून 2025 से निलंबित रखा गया। अनुशासनात्मक प्राधिकरण के रूप में कार्य करते हुए बैंक के बोर्ड ने 20 नवंबर की बैठक में जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों पर विचार किया और सेवाएं समाप्त करने व 24 मार्च 2020 से मालस और क्लॉबैक प्रावधान लागू करने का निर्णय लिया।

FY27 में 7% जीडीपी वृद्धि का अनुमान, पर महंगाई के दबाव से दिसंबर में बढ़ सकती है कर्ज की ईएमआई

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जहां तेज विकास दर की उम्मीद बंधी है, वहीं महंगाई का बढ़ता दबाव आम आदमी और कारोबार जगत के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026-27 (FY27) में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी पूंजीगत खर्च, मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र की तेज रफ्तार अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहे हैं, लेकिन ऊंची महंगाई के चलते आने वाले दिनों में कर्ज और महंगा होने की आशंका गहरा गई है।

ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की विकास गति को घरेलू मजबूती और सेवा निर्यात का ठोस आधार मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 6.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेज गति मिली है। इसके साथ ही अक्टूबर में सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 55.8 और कंपोजिट पीएमआई 56.2 पर पहुंच गया। वहीं सितंबर



में औद्योगिक उत्पादन में 6.7 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। त्योहारी मांग और आयात से जुड़ी प्राप्तियों के चलते अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मजबूत आर्थिक संकेतों के विपरीत महंगाई के आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। अक्टूबर में खुदरा महंगाई सितंबर के 5.54 प्रतिशत से बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसने भारतीय रिजर्व बैंक के 6 प्रतिशत के सुरक्षित ऊपरी दायरे को पार कर लिया है। खाद्य महंगाई दर 8.94 प्रतिशत रही, जबकि सितंबर में थोक महंगाई 11.39 प्रतिशत दर्ज की गई। लगातार बने मूल्य दबाव के कारण मौद्रिक नीति के सख्त रहने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व बैंक दिसंबर 2026 की समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है, जिससे नीतिगत रेपो दर बढ़कर 5.75 प्रतिशत हो जाएगी और इसके बाद दरों में लंबे समय तक ठहराव आ सकता है। रिपोर्ट का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही में खुदरा महंगाई 5.8 से 6.1 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रह सकती है, जबकि चौथी तिमाही में इसके घटकर 5.0 प्रतिशत के आसपास आने और पूरे वित्त वर्ष का औसत 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बढ़ती ब्याज दरों और लागत में उतार-चढ़ाव के बीच सभी क्षेत्रों पर एक जैसा प्रभाव नहीं पड़ेगा। मजबूत बैलेंस शीट और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स व इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, आईटी सर्विसेज तथा निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों के अपेक्षाकृत मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

बिटकॉइन दो साल से ज्यादा के निचले स्तर पर

60 हजार डॉलर का स्तर टूटा, पूरे क्रिप्टो बाजार में भारी बिकवाली

मृदुभाषी। नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 21 नवंबर को दो साल से ज्यादा के निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह 60,000 डॉलर के अहम स्तर को तोड़ते हुए 8.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,195.22 डॉलर पर ट्रेड कर रही है, जो सितंबर 2024 के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद बिटकॉइन में जो तेजी आई थी, वह अब पूरी तरह पलट गई है और अक्टूबर 2025 में बनाए गए 1,26,000 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर से यह आधे से भी ज्यादा टूट चुका है।

कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के मुताबिक, इस गिरावट से पूरे क्रिप्टो मार्केट का कैपिटलाइजेशन 7.58 प्रतिशत घटकर 1.95 ट्रिलियन डॉलर रह गया है, जबकि पिछले 24 घंटे में कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम 136.33



बिलियन डॉलर दर्ज किया गया। निवेशकों के बीच डर का माहौल इतना गहरा गया है कि फियर एंड ग्रीड इंडेक्स गिरकर 6 पर आ गया है, जो अत्यधिक डर की श्रेणी में आता है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 8.24 प्रतिशत घटकर 1.13 ट्रिलियन डॉलर रहा, हालांकि बाजार में इसकी हिस्सेदारी 58.2 प्रतिशत बनी हुई है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम 9.21 प्रतिशत टूटकर 1,562.14 डॉलर पर आ गई, जिसका मार्केट कैप 190.95 बिलियन डॉलर है और पिछले एक महीने में यह 16.09 प्रतिशत गिर चुकी है। वहीं BNB 9.22 प्रतिशत गिरकर 514.98 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है और इसका मार्केट कैप 67.72 बिलियन डॉलर है। दूसरी ओर स्टेबलकॉइन्स में टीथर 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 0.9985 डॉलर और USDC 0.9998 डॉलर पर स्थिर बना हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक और तकनीकी वजहें हैं। अक्टूबर के अंत में दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस में हुई हैकिंग की घटना से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है, वहीं नवंबर में अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत के बाद अमेरिका में क्रिप्टो कानूनों की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका बढ़ी है। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी के संकेतों के चलते निवेशक जोखिम भरे एसेट्स से पैसा निकाल रहे हैं।

विशेषज्ञों की राय: भरोसे की कमी और जोखिम घटाने की प्रवृत्ति

फिलहाल निवेशक अपना जोखिम कम कर रहे हैं। जीएसआर में एसेट मैनेजमेंट के एमडी एंडी बेहर ने कहा कि पूरे बाजार में भरोसे की भारी कमी दिख रही है। वहीं वजीरएक्स के फाउंडर निश्चल शेट्टी ने बताया कि बिटकॉइन अक्टूबर के क्लोजिंग स्तर 77,474 डॉलर से करीब 24 प्रतिशत और अक्टूबर 2025 के 1,26,000 डॉलर के पीक से 50 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ चुका है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिप्टो में बड़े संस्थानों की दिलचस्पी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, लेकिन शुरुआती उत्साह ठंडा पड़ा है और बाजार अब बड़े खरीदारों की वापसी का इंतजार कर रहा है। वजीरएक्स के फाउंडर निश्चल शेट्टी के अनुसार, ट्रेडर्स के लिए नीचे की तरफ 57,716 डॉलर का हालिया निचला स्तर अहम रेफरेंस है।

1.7 करोड़ लाइनों का कोड जारी

167 साल पुराने 'रीमैन हाइपोथिसिस' को एआई से हल करने का दावा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

गणित के सबसे चर्चित और 167 साल से अनसुलझे सवालों में शुमार 'रीमैन हाइपोथिसिस' को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हल करने का दावा सामने आया है। अमेरिकी एआई कंपनी एंथ्रोपिक के साइंटिस्ट लेवेंट एल्पोगे ने शुक्रवार देर रात जानकारी दी कि उन्होंने कंपनी के एआई मॉडल क्लॉड के जरिए इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। उन्होंने प्रमाण के तौर पर 1.7 करोड़ से अधिक लाइनों का कंप्यूटर कोड जारी किया है। इस सवाल पर लगभग 9.26 करोड़ रुपये की इनामी राशि निर्धारित है, हालांकि इसका भुगतान जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही किया जाएगा।

इस दावे के साथ ही दुनिया की सबसे कठिन 7 गणितीय समस्याओं में से 2 को एआई की सहायता से सुलझाने का दावा किया जा चुका है, जिनकी जांच फिलहाल जारी है। इनमें से एक प्रश्न का हल वर्ष 2002 में खोजा जा चुका था, जबकि शेष 4 सवालों का समाधान अभी बाकी है। यह समस्या जर्मन गणितज्ञ जॉर्ज बर्नहार्ड रीमैन के नाम पर जानी जाती है, जिन्होंने वर्ष 1859 में इसे सामने रखा था और यह मुख्य रूप से अभाज्य संख्याओं के पैटर्न से जुड़ी है, जिन्हें अन्य सभी संख्याओं का आधार माना जाता है। दुनियाभर के गणितज्ञ 167 वर्षों से इसे सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं और इन कोशिशों के दौरान विकसित गणितीय तकनीकों का लाभ क्वांटम फिजिक्स सहित आधुनिक विज्ञान के अन्य क्षेत्रों को भी मिला है। लेवेंट एल्पोगे का दावा है कि उन्होंने रीमैन हाइपोथिसिस के साथ-साथ इसके अधिक जटिल हिस्से जनरलाइज्ड रीमैन हाइपोथिसिस को भी हल कर लिया है। सामान्य शोध पत्र प्रकाशित करने के बजाय उन्होंने सीधे 1.7 करोड़ लाइनों का कंप्यूटर कोड सार्वजनिक किया है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि समाधान तक पहुंचने के लिए क्लॉड द्वारा अपनाए गए हर चरण को वे स्वयं भी अभी पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं।

घर में फांसी लगाकर विवाहिता ने दी जान

मायके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। बाग थाना क्षेत्र के ग्राम लौंगसरी में 25 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला।



जानकारी के अनुसार, मृतका वर्षा एस्के का पति आकाश वाहन चालक है और घटना के समय गुजरात गया हुआ था। दंपती का पांच साल का बेटा है। ससुर जुवानसिंह एस्के ने बताया कि वे शाम करीब 5:45 बजे पोते के साथ बाजार से घर लौटे थे। घर के अंदर वर्षा का शव सेल्फ में लगी लोहे की कुंडी से गमछे के सहारे लटका हुआ था। उन्होंने तत्काल गमछा काटकर शव नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

पांच महीने पहले भी हुआ था विवाद

परिजनों के अनुसार, करीब पांच महीने पहले गांव का एक युवक वर्षा को अपने साथ ले गया था। इस संबंध में परिवार ने डेहरी चौकी में शिकायत की थी। उस समय पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। करीब दस दिन बाद वर्षा मिलने पर पंचायत के निर्णय के अनुसार वह वापस ससुराल में रहने लगी थी।

मायके पक्ष ने पुलिस पर लगाए आरोप

विवाहिता की मौत के बाद मायके वालों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि वर्षा आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकती थी। थाना प्रभारी हीरूसिंह चौहान और डेहरी चौकी प्रभारी नवलसिंह बघेल के अनुसार, बाग अस्पताल में दो डॉक्टरों की टीम पोस्टमॉर्टम करेगी।

कुक्षी के कुडदीपूरा गांव में मिली बीयर, अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

झाड़ियों में छिपाकर रखी थी 13 पेटी बीयर, विभाग ने की जब्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुक्षी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने ग्राम कुडदीपूरा के देवलियापूरा फलिया में सड़क किनारे झाड़ियों में छिपाकर रखी गई माउंट 6000 बीयर की 13 पेटियां बरामद की हैं। जब्त बीयर की कुल मात्रा 156 बल्क लीटर बताई गई है, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य करीब 43 हजार रुपए है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान मौके पर कोई व्यक्ति नहीं मिला। मदिरा को झाड़ियों में छिपाकर रखने वाला अज्ञात व्यक्ति आबकारी टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, 21 नवंबर को कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेश पर जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त आबकारी इंदौर संभाग इंदर सिंह जामोद एवं सहायक आबकारी आयुक्त धार दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन में तथा कंट्रोलर एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी मोहनलाल भायल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।



156 बल्क लीटर बीयर थी

इसी क्रम में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त कुक्षी रीनू भिंडे को क्षेत्र में अवैध मदिरा के संबंध में कार्रवाई के दौरान ग्राम कुडदीपूरा स्थित देवलियापूरा फलिया में सड़क किनारे झाड़ियों में बीयर छिपाकर रखे होने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली तो झाड़ियों में माउंट 6000 बीयर केन की 13 पेटियां रखी मिलीं। जांच करने पर कुल 156 बल्क लीटर बीयर बरामद हुई। टीम ने मौके से मदिरा जब्त कर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

किसने छिपाई थी मदिरा जांच में जुटा विभाग

सड़क किनारे झाड़ियों में इतनी बड़ी मात्रा में बीयर की पेटियां छिपाकर रखे जाने से यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि मदिरा किस उद्देश्य से वहां रखी गई थी और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। आबकारी विभाग द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है, जिसके आधार पर अवैध मदिरा के स्रोत और इसमें शामिल लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त कुक्षी रीनू भिंडे, मुख्य आरक्षक रत्ना अमलियार एवं आरक्षक राशि परिहार का विशेष योगदान रहा।

संत सिंगाजी कॉरिडोर निर्माण की उठाई मांग

विधायक सचिन यादव ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। निमाड़ एवं मालवा अंचल के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र, महान संत श्री सिंगाजी महाराज के तीर्थ स्थलों को भव्य रूप देने के लिए विधायक सचिन सुभाष यादव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मूंदी जिला खंडवा स्थित समाधि स्थल ग्राम सिंगाजी तथा राजपुर जिला बड़वानी स्थित जन्मस्थली ग्राम खजूरी में भव्य संत सिंगाजी महाराज कॉरिडोर विकसित करने और इसके लिए पर्याप्त बजट स्वीकृत करने की मांग की है।



ग्राम सिंगाजी स्थित संत सिंगाजी महाराज मंदिर संपूर्ण मध्यप्रदेश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने काशी विश्वनाथ और महाकाल लोक की तर्ज पर यहां भी भव्य कॉरिडोर निर्माण हेतु विस्तृत विकास प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति देने का आग्रह किया है। इस प्रस्ताव के अंतर्गत मंदिर परिसर के विस्तार व सौंदर्यीकरण के साथ-साथ सुगम आवागमन मार्ग, परिक्रमा पथ, धर्मशाला, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, स्वच्छता एवं विश्राम स्थल जैसी आधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की मांग की गई है। बड़वानी जिले की राजपुर तहसील अंतर्गत स्थित संत सिंगाजी महाराज की जन्मस्थली ग्राम खजूरी के ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु खजूरी पहुंचते हैं, लेकिन समुचित सुविधाओं का अभाव है। अतः जनभावनाओं को देखते हुए जन्मस्थली पर विशेष योजना के तहत भव्य प्रवेश द्वार, मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, सड़क, पार्किंग, पेयजल व सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने हेतु कॉरिडोर निर्माण की घोषणा की जाए।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों का अंतिम संस्कार

रोहतक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले को नम आंखों से दी गई विदाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। हरियाणा के रोहतक में हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले रतलाम के एक ही परिवार के तीन सदस्यों का शनिवार को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे जैसे ही एंबुलेंस के जरिए तीनों के पार्थिव शरीर रतलाम स्थित उनके घर पहुंचे, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एंबुलेंस से शव उतारे जाते ही परिजनों और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घर पर पारंपरिक रूप से अरदास किए जाने के बाद तीनों की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि रतलाम के इंद्रा नगर निवासी करमजीत



सिंह, उनकी पत्नी पवनदीप कौर और बेटे अमरिंदर की शुक्रवार सुबह रोहतक के घिरोड़ गांव के समीप एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यात्रा के दौरान उनकी तेज रफ्तार कार सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े एक ट्रक से जा टकराई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार तीनों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई।

साले के घर पर था पारिवारिक कार्यक्रम

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, करमजीत सिंह अपनी पत्नी और बेटे के साथ रतलाम से पंजाब के लुधियाना जाने के लिए निकले थे। लुधियाना में उनके साले के घर पर एक पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित था, जिसमें शामिल होने के लिए पूरा परिवार उत्साहित होकर रवाना हुआ था, लेकिन रास्ते में रोहतक के पास यह दुखद हादसा हो गया।

बुजुर्ग मां को सुबह तक नही दी घटना की जानकारी

हादसे के समय रतलाम स्थित निवास पर करमजीत के बुजुर्ग माता-पिता और उनका छोटा बेटा मौजूद थे। सदमे से बचाने के लिए परिजनों ने करमजीत की बुजुर्ग मां को शनिवार सुबह तक इस हृदयविदारक घटना की जानकारी नहीं दी थी। शनिवार सुबह पार्थिव शरीर घर पहुंचने से कुछ समय पहले ही उन्हें इस अनहोनी के बारे में बताया गया, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। अरदास के पश्चात निकली अंतिम यात्रा में हर आंख नम दिखाई दी।

राजेश होलानी बने कैट के देवास जिलाध्यक्ष

कांटाफोड़। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश द्वारा विगत दिनो भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में प्रदेश के 55 जिलों के नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर देवास जिले के प्रमुख व्यवसायी राजेश होलानी ने कैट के देवास जिला अध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण की। समारोह में देवास जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए नई कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। कार्यकारिणी मे राजेश होलानी जिलाध्यक्ष, प्रभारी मिलिन्द सोलंकी महामंत्री अभिषेक अग्रवाल संगठन मंत्री कैलाश टाडा प्रवक्ता ब्रजेश धूत कोषाअध्यक्ष संदीपसिंह भदौरिया जिला उपाअध्यक्ष ओमप्रकाश परमार हेमचन्द गोयल सहमंत्री अशोक लुहाड़िया बंशी तंवर महिला जिलाध्यक्ष प्रिती सिंगी को नियुक्त किया गया।

नाली चौक से रहवासी परेशान

कई बार सूचना के बाद भी नगर पालिका नहीं कर रही निदान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अलीराजपुर। अलीराजपुर मुर्गी बाजार नगर पालिका कांप्लेक्स के पास मेन मार्ग से लगती वार्ड क्रमांक 4 की ओर जाती सुनील शर्मा की गली की ओर नाली पड़ी चोक है। ठेकेदार द्वारा डाली गई छोटी 6 इंच की पाईप के कारण नाली ठसा ठस भरी हुई है, जो सकड़ी छोटी पाईप ठेकेदार द्वारा डालने के कारण गंदा पानी निकासी में नहीं हो रहा। गंदा पानी निकास न होने के कारण रहवासी गण हो रहे परेशान हैं।

नगर पालिका अलीराजपुर में कई बार सूचना देने के बाद भी निदान नहीं हो रहा है। मुर्गी बाजार मार्ग के रहवासी गणों ने बताया कि अलीराजपुर कलेक्टर बंगला, जल संसाधन विभाग बंगले के पीछे से गंदा पानी निकासी नगर पालिका मुर्गी बाजार मेन मार्ग की ओर होता



हुआ रोड क्रॉस कर नगर पालिका कांप्लेक्स के समीप नाली की ओर नाली लाइन मिलान निर्माण की गई थी, जिसमें मेन मार्ग पर छोटा 6 इंच पाईप डालने से नाली चोक हो चुकी है।

रहवासियों का कहना है कि जो सही की गई, जब तक मुर्गी बाजार मेन मार्ग की पाईप लाइन नगर पालिका द्वारा बड़ी नहीं लगाई जाती, तब तक नाली गंदा पानी निकास नहीं होगा। रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द बड़ी पाईप लाइन डालकर नाली की सफाई कराई जाए, ताकि गंदा पानी निकास हो सके और बीमारियों से बचाव हो।

उन्होने जल्द से जल्द समस्या को दूर करने की मांग नगर पालिका से की है।

एसडीएम कोर्ट की प्रक्रिया शुरु

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर में एसडीएम न्यायालय प्रारंभ किए जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग अब आगे बढ़ती नजर आ रही है। भाजपा मंडल अध्यक्ष नलखेड़ा रोहित सकलेचा द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस संबंध में दिए गए पत्र पर शासन स्तर से संज्ञान लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, विगत 13 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगर जिले के दौरे के दौरान रोहित सकलेचा ने नलखेड़ा में एसडीएम कोर्ट प्रारंभ करने की मांग को लेकर पत्र सौंपा था। पत्र में बताया गया था कि नलखेड़ा तहसील क्षेत्र में लगभग 100 ग्राम आते हैं। वर्तमान में अनुविभागीय न्यायालय सुसनेर में संचालित होने के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को न्यायालयीन कार्यों के लिए बार-बार सुसनेर जाना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की परेशानी उठानी पड़ती है। सुसनेर अनुविभाग में नलखेड़ा के प्रकरणों की संख्या अधिक रहती है। कई मामलों में पक्षकारों को कई बार सुसनेर जाना पड़ता है। एसडीएम के व्यस्त रहने के कारण आमजन के कार्य भी प्रभावित होते हैं। इस मामले में प्रदेश शासन के राजस्व विभाग के अवर सचिव राजेश कुमार कौल द्वारा आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन भोपाल एवं कलेक्टर जिला आगर-मालवा को पत्र जारी कर प्रकरण का परीक्षण करने तथा यथोचित कार्रवाई कर शासन को अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

दिव्यांगजनों एवं महिलाओं को दी गई कानूनी जानकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देपालपुर। न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति और जरूरतमंद तक पहुंचे, इसी उद्देश्य को लेकर विधिक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के पालन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह एवं नालसा की ग्रासरूट स्तर पर मेगा ड्राइव के प्रथम चरण (भाग-2) के अंतर्गत चयनित ग्राम फूलान में शिविर आयोजित किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदौर अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित



इस कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर हदायत उल्ला खान, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुनील अहिरवार, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान तथा थाना प्रभारी गौतमपुरा श्रीमती अलका मेनिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान जिला न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के साथ प्रत्येक नागरिक को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना भी है। न्याय की सार्थकता तभी है, जब समाज के कमजोर, वंचित, दिव्यांग एवं जरूरतमंद वर्ग को बिना किसी आर्थिक कठिनाई के न्याय तक पहुंच प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

न्याय और सहायता गांव-गांव तक पहुंचे : जीसान खाँन

जिला विधिक प्राधिकरण सचिव सुनील अहिरवार एवं विधिक सहायता अधिकारी जीसान खान ने बताया कि विधिक संस्थाओं का प्रयास है कि न्याय और सहायता गांव-गांव तक पहुंचे तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार मिले।उन्होंने बताया कि पैरालीगल वालंटियर्स के माध्यम से निरंतर ग्राम स्तर पर अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने तथा विधिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी या संसाधनों के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित न रहे।जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने शिविर में विशेष रूप से उपस्थित दिव्यांगजनों को सम्मानित करते हुए उनके अधिकारों एवं उन्हें उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव, संपत्ति एवं उत्तराधिकार संबंधी अधिकारों तथा विभिन्न शासकीय कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी ग्रामीणों को जागरूक कर उनकी समस्याओं को सुनकर उनके यथोचित निराकरण के प्रयास किए गए।

निरीक्षण आरटीओ ने बसों में परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और अग्निशमन यंत्र जांचे

20 बसों की हुई जांच, 7 के काटे गए चालान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। यात्रियों की सुरक्षा को ताक पर रखकर नियमों के विपरीत सड़कों पर दौड़ रहे यात्री वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। कुक्षी में धार आरटीओ की टीम ने नरिमन प्वाइंट पर विशेष जांच अभियान चलाकर बसों और अन्य यात्री वाहनों की धरपकड़ की। करीब 15 से 20 बसों की जांच के दौरान परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और अग्निशमन यंत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों एवं सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल की गई। इस दौरान अग्निशमन यंत्र नहीं मिलने पर 5 से 7 बसों के चालान बनाए गए। कार्रवाई से बस संचालकों और निजी यात्री वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

परिवहन विभाग की टीम ने अभियान के दौरान एक-एक बस



के जरूरी दस्तावेजों और सुरक्षा संसाधनों की जांच की। इसमें कई वाहनों में निर्धारित सुरक्षा इंतजामों की कमी सामने आई। खासकर अग्निशमन यंत्र नहीं होने पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए 5 से 7 बसों के चालान बनाए। बिना परमिट, फिटनेस और इंश्योरेंस के संचालित होने वाले वाहनों पर भी विभाग की नजर रही। यात्रियों को लेकर लंबी दूरी तय करने वाली बसों में सुरक्षा संसाधनों की कमी गंभीर सवाल खड़े करती है।

कार्रवाई की भनक लगते ही बदलने लगे रास्ते

जांच अभियान की जानकारी फैलते ही कई बस और निजी यात्री वाहन चालक अपने निर्धारित मार्ग को छोड़कर दूसरे रास्तों से निकलने लगे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवहन विभाग की कार्रवाई को लेकर वाहन संचालकों में कितनी हलचल रही। वहीं गुजरात की ओर जाने वाली बसों पर भी विभाग विशेष नजर रख रहा है। इन बसों के दस्तावेजों के साथ अग्निशमन यंत्र सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है।

बस स्टैंड पर भी पहुंचेगी आरटीओ टीम

धार आरटीओ अधिकारी भव्या पाटीदार ने बताया कि यात्री वाहनों की लगातार जांच की जा रही है। कुक्षी में अभियान के दौरान करीब 15 से 20 बसों को चेक किया गया। जिन बसों में अग्निशमन यंत्र नहीं मिले, उनमें से 5 से 7 के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। आगे बस स्टैंड पर भी पहुंचकर वाहनों की जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही पर सवाल

लंबी दूरी की यात्रा करने वाली बसों में अग्निशमन यंत्र और फिटनेस जैसे अनिवार्य इंतजामों की कमी यात्रियों की जान को जोखिम में डाल सकती है। ऐसे में परिवहन विभाग की कार्रवाई के साथ यह भी जरूरी है कि जांच केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि नियमित रूप से बसों की फिटनेस, परमिट, बीमा और सुरक्षा संसाधनों की पड़ताल हो। अब देखना होगा कि विभाग की यह सख्ती आगे कितनी प्रभावी साबित होती है। उल्लेखनीय है कि जिले में नियमों को पहिए चले रौंदकर निजी यात्री बसें धड़ल्ले से दौड़ रहीं है।

पूर्व विधायक आत्माराम पटेल ने साथियों संग शुरू की नर्मदा जी की पैदल परिक्रमा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक आत्माराम पटेल शनिवार को साथियों के साथ पैदल नर्मदा परिक्रमा पर निकले। शनिवार को 11 बजे ग्राम बलगांव आश्रम में परिक्रमवासियों ने मां नर्मदा पूजन एवं आरती की। इसके पश्चात कन्या पूजन एवं गौ माता का पूजन कर गौ माता को गुड़ चना खिलाया। मोनी बाबा का आशीर्वाद लेकर यात्रा प्रारंभ की।

यात्रा में पूर्व विधायक आत्माराम पटेल के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष मांगीलाल गाडगे, चंद्रशेखर जैन, रामेश्वर यादव, मनीष पटेल सहित अन्य साथी परिक्रमा पर निकले। पूर्व विधायक श्री पटेल ने बताया कि उत्तराखंड देव भूमि है और मां नर्मदा का क्षेत्र नर्मदा खंड तपोभूमि है। मां नर्मदा की परिक्रमा पुराणों एवं सनातन



संस्कृति दोनों दृष्टि से जीवन में एक बार मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा करना चाहिए।

मां नर्मदा की परिक्रमा से जीवन की शुद्धि

उन्होने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा से जीवन की शुद्धि होती हैं। हमारी यात्रा स्वय के जानने की यात्रा है। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र यादव, बड़वानी भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव, मंडल अध्यक्ष दीपक पटेल, मनीष पाटीदार, प्रहलाद राठौर, पवन राठौर, संजू नायक, आनंदराम मीणा, तिलोक तिरोले, हेमंत सोनी, राजेश वराडीया, मोतीराम वर्मा, शक्ति सिंह मंडलोई, बलराम कुशवाह, विकास यादव, संतोष मंडलोई, कपिल सेन सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।



बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर निशान यात्रा और चल समारोह निकाला गया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। शनिवार को भगवान बाबा श्याम जी के जन्मोत्सव पर नगर में निशान यात्रा एवं चल समारोह निकाला गया। लखदतार श्याम दरबार सेवा समिति द्वारा शनिवार को बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर स्थानीय श्री सांवलिया नाथ मंदिर से एक निशान यात्रा एवं चल समारोह निकाला गया।

भव्य आतिशबाजी के साथ चल समारोह में हनुमान जी की आकर्षक झांकी शामिल थी। भजनों पर राधा कृष्ण बने कलाकार नृत्य करते चल रहे थे। चल समारोह में भजन गायक पीयूष भावसार भजनों की प्रस्तुति देते चल रहे थे।

रथ पर बाबा श्याम की आकर्षक प्रतिकृति के सम्मुख अखंड ज्योत प्रज्जवलित

चल समारोह में भक्त गण बाबा श्याम का निशान थामें चल रहे थे। एक रथ पर बाबा श्याम की आकर्षक प्रतिकृति के सम्मुख अखंड ज्योत प्रज्जवलित थी। चल समारोह मार्ग पर स्थान स्थान पर नगरवासियों द्वारा बाबा श्याम का पूजन कर अखंड ज्योत में घी अर्पण किया गया। चल समारोह के आगे आगे सुंगधित जल से सड़क पर छिड़काव किया जा रहा था। निशान यात्रा व चल समारोह श्री सांवलिया नाथ मंदिर से किला रोड़, चौक बाजार, गणेश चौराहा, शिवाजी चौराहा, माँ बगलामुखी मंदिर मार्ग, अंबेडकर चौराहा होते हुए माँ बगलामुखी मंदिर परिसर पहुंचा ।

आज 4 घंटे बिजली विभाग का शटडाउन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। अलीपुर इंटेक पर कल 22 नवंबर को विद्युत विभाग का शटडाउन रहेगा। नगर निगम जलप्रदाय विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार शटडाउन सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। इस दौरान अलीपुर इंटेक से पम्पिंग बंद रहने के कारण शहर की निम्न टंकियों से होने वाला जल वितरण 3 से 4 घंटे प्रभावित होगा। नगर निगम के अनुसार इस शट डाउन से जल वितरण प्रभावित होने के क्रम में रानी बाग टंकी, उत्तम नगर टंकी, गिरिराज धाम नगर टंकी, राजाराम नगर टंकी, आनंद ऋषि नगर टंकी, सन सिटी टंकी, अमोना टंकी। इन टंकियों से चलने वाले क्षेत्रों में जल वितरण देरी से होगा। बताया गाया है कि शट डाउन खत्म होने के बाद लाइट चालू होने के पश्चात टंकी भरने के उपरांत ही जल वितरण चालू किया जावेगा। नगर निगम ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण कर रखें और निगम को सहयोग प्रदान करें। गौरतलब है कि इस साल मानसून में भी कम बारिश हुई है।

विधायक पाटीदार ने की निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा

समय-सीमा में कराएं गुणवत्तापूर्ण कार्य, गड्ढों को करें दुरुस्त: पाटीदार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। स्वामी विवेकानंद सभागृह में शनिवार को विधायक बालकृष्ण पाटीदार की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली। परियोजनाओं को निर्धारित समय. सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और सुगम रूप से पहुंचे।



निर्धारित मापदंडों के अनुरूप हो कार्य

बैठक में विधायक ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप उच्च क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में विधायक निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग तथा नगर पालिका के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएं। सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सड़कों पर कहीं भी गड्ढे न रहें। जिन सड़कों पर गड्ढे हुए हैं, उनकी तत्काल मरम्मत कराकर आवागमन सुगम बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। आम नागरिकों को बेहतर सड़क एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

समाज का प्रत्येक पात्र व्यक्ति हो लाभान्वित

विधायक ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करना है। कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आमजन के कल्याण और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एसडीएम सत्येंद्र बैरवा, तहसीलदार जागर रावत, नगर पालिका सीएमओ कमला कौल, खरगोन जनपद और गोगावां जनपद सीईओ मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ने बाइक को रौंदा भाई-बहन की हुई मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। जिले के कसरावद थाना क्षेत्र के भैंसावद गांव में शुक्रवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर की है। दोनों भाई- बहन का पीएम शनिवार सुबह कसरावद अस्पताल में कराया गया।

जानकारी के अनुसार रसवा गांव निवासी 20 वर्षीय राहुल और उसकी 23 वर्षीय बहन रोशनी शुक्रवार शाम ठीकरी से अपने गांव लौट रहे थे। भैंसावद गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर गए। उन्हें सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही कसरावद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कसरावद स्वास्थ्य केंद्र भेजा।

ट्रैक्टर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार

पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। इस घटना से रसवा गांव में गहरा शोक व्याप्त है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में गमगीन माहौल है। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रानी लक्ष्मीबाई को 2100 दीपों से नमन

श्रीकृष्ण टॉकिज तिराहे पर विद्यार्थी परिषद ने कार्यक्रम आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। परिषद के कार्यकताओं ने श्रीकृष्ण टॉकिज तिराहे पर 2100 दीपों को जलाकर रानी लक्ष्मीबाई की एक भव्य आकृति का निर्माण किया। दीपों से सजी यह आकर्षक आकृति रोशनी से जगमगा उठी, जिसके माध्यम से कार्यकताओं ने वीरांगना के साहस, शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी के युवाओं को रानी लक्ष्मीबाई के जीवन संघर्ष, उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण से प्रेरणा लेने का संदेश देना था। 2100 दीपकों से निर्मित यह मनमोहक आकृति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही, जिसने राहगीरों का ध्यान खींचा और आयोजन को एक गरिमामय स्वरूप प्रदान किया।

रानी लक्ष्मीबाई के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत सहमंत्री एवं विभाग संयोजक निर्मल चौहान, खरगोन भाग संयोजक अनुराग राजपूत, खरगोन नगर मंत्री पलक भालसे, पंकेश रावत, रिद्धि राठौर एवं शिवानी सहित परिषद के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकताओं ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के त्याग, बलिदान और वीरता को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प किया। बताया गया कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने आजादी के लिए अपने प्राणों तक का बलिदान दे दिया था।



संतोष पंवार बने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मोहन बड़ोदिया। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला शाजापुर द्वारा जिले के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इस क्रम में मोहन बड़ोदिया मंडल का अध्यक्ष सास्ताखेड़ी निवासी संतोष पंवार को नयुक्त किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवानसिंह परमार के निदेर्शानुसार तथा भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पांडे की सहमति से यह नियुक्तियां की गई हैं। अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुनील मालवीय द्वारा 20 नवंबर 2026 को जारी सूची में संतोष पंवार के नाम की घोषणा की गई।

नियुक्ति की खबर मिलते ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। शनिवार शाम 5 बजे मोहन बड़ोदिया में नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष संतोष पंवार का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने उनका पुष्पमालाओं से स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जाति मोर्चा संगठन को नई मजबूती मिलेगी और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।



23 प्रकरणों का किया गया निराकरण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। शनिवार को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी लोक अदालत उत्सव चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा श्री अनिल चौधरी, जिला न्यायाधीश आशीष प्रताप सिंह, जिला रजिस्ट्रार अरविंद सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, पैरालीगल वॉलंटियर्स गणेश कनाडे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला न्यायालय, खंडवा में दो खंडपीठों तथा तहसील



न्यायालय हरसूद एवं पुनासा में एक-एक खंडपीठ का गठन किया गया था। इस प्रकार कुल चार खंडपीठों के माध्यम से प्रकरणों की सुनवाई एवं निराकरण की कार्यवाही की गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत के अंतर्गत कुल 38 प्रकरणों को निराकरण हेतु रेफर किया गया, जबकि 23 प्रकरणों का निराकरण विशेष लोक अदालत के माध्यम से किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु भगवंतो का होगा चातुर्मास परिवर्तन।

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। स्थानीय श्वेतांबर जैन समाज में चातुर्मास के लिए विराजित साध्वी मंडल का चातुर्मास परिवर्तन का कार्यक्रम 24 नवंबर को संपन्न होगा। इसी के साथ कार्तिक पूर्णिमा पर प्रति वर्ष अनुसार समाज में पूजन व शत्रुंजय तीर्थ की भाव यात्रा का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों द्वारा भाग लिया जाएगा।

जैन आराधना भवन में चातुर्मास हेतु विराजित कलिकुण्ड तीथोर्धारक परम पूज्य राजेंद्रसूरीश्वर जी महाराजा की आज्ञानुवर्ती प.पू.राजगुणा श्री जी म.सा आदि ठाणा 4 चातुर्मास परिवर्तन का लाभ इस बार कैलाशचन्दजी, केशरीमलजी मनोज



कुमार, संजय कुमार बडेरा परिवार को प्राप्त हुआ है। 24 नवंबर को प्रातः 6.45 बजे जैन उपाश्रयजी से साध्वी मंडल को सकल श्री संघ के साथ गाजे-बाजे तथा ढोल ढमाकों के साथ जुलूस के रूप में लाभार्थी बडेरा परिवार के वर्तमान निवास स्थान पर ले जाया जाएगा। जहां पर प्रवचन में साध्वीजी द्वारा सिद्धाचलजी की महिमा पर प्रकाश डाला जावेगा। प्रवचन उपरांत शाश्वत तीर्थ श्री सिद्धचलजी की भाव यात्रा का कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर बडेरा परिवार द्वारा श्री संघ की नवकारसी का कार्यक्रम भी अपने निवास पर रखा गया है। समाज में प्रतिवर्ष होने वाली कार्तिक पूर्णिमा की पूजन व सिद्धाचलजी की भाव यात्रा का कार्यक्रम श्री संघ की ओर से दोपहर 1:30 बजे से सागर विद्या निकेतन पुरानी झीन पर होगा।सिद्धाचलजी की भाव यात्रा साध्वी मंडल द्वारा करवाई जाएगी। जिसमें महिलाओं तथा समाजजनों द्वारा शत्रुंजय महा तीर्थ के पट के समक्ष आराधना कर विभिन्न प्रकार की सामग्री जिसमें फल फूल मेवा मिष्ठान सहित अन्य सामग्री अर्पण की जाएगी। कार्यक्रमों में समाजजनों व महिलाओं द्वारा भाग लिया जाएगा।

-तपस्वियों का बहुमान होगा-

चातुर्मास परिवर्तन के पूर्व 23 नवंबर को जैन उपाश्रयजी में प्रवचन एवं आयंबिल की लड़ी के तपस्वियों का बहुमान का कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे होगा। देव वंदन दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होंगे।

आयोजन सामाजिक समरसता मातृशक्ति आयाम का दीपावली मिलन एवं दीपोत्सव सम्पन्न..

सामाजिक समरसता से होगा राष्ट्र निर्माण : मौर्य

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। सामाजिक समरसता मातृशक्ति आयाम द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बौद्धिक सत्र, दीपोत्सव एवं भारत माता की आरती का आयोजन हुआ। इसके पश्चात वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी समाजजनों ने पूर्ण वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मालवा प्रांत के सामाजिक समरसता आयाम के प्रांत सह-संयोजक धर्मेंद्र मौर्य ने सामाजिक समरसता विषय पर उपस्थित समाजजनों को मार्गदर्शन दिया। अपने बौद्धिक उद्बोधन में उन्होंने सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में एकात्मता स्थापित कर सशक्त राष्ट्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर एम. मलकानी की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने दलित समाज के ऐतिहासिक एवं वीरतापूर्ण योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज के अनेक



लोगों ने कठिन परिस्थितियों एवं संघर्षों के बावजूद अपने धर्म और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखा। अपनी माताओं-बहनों तथा धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने ऐसे मार्ग अपनाए, जिनसे आक्रांताओं द्वारा उत्पन्न सामाजिक दबावों से बचा जा सके, हमारे सफाई कर्मी समाज द्वारा जो आज सफाई व्यवस्था एवं सुअर पालन का कार्य भी करते हैं उन्होंने मेला ढोना स्वीकार किया लेकिन हिन्दू धर्म नहीं छोड़ा। मौर्य के अनुसार इस्लामिक लोग सूअर से घृणा करते थे और दूर भागते थे इसलिए हमारे सफाई कर्मी समाज के वीर पूर्वजों द्वारा सूअर पालन का कार्य भी शुरू किया गया। जिससे इस्लामी आक्रांता उनके घरों से दूर रह सके।

संत रामानंद जी की परंपरा एवं उनके शिष्यों संत रविदास जी, संत कबीर जी, संत सेन जी, संत पीपा जी सहित अन्य संतों के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने संत परंपरा में महिलाओं की सहभागिता एवं समाज को एक सूत्र में बांधने वाले उनके आध्यात्मिक योगदान पर भी प्रकाश डाला।

हेडगेवार जैसे महापुरुषों के जीवन और विचारों को स्मरण करें

उन्होने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के पश्चात बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर एवं डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसे महापुरुषों के जीवन और विचारों को स्मरण करने का आह्वान किया। उन्होंने बाबा साहेब के जीवन में आए अनेक संघर्षों एवं कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्र और समाज के प्रति योगदान तथा सामाजिक समरसता के संदेश को रेखांकित करते हुए उपस्थित सभी समाज जनों से सामाजिक समरसता के सूत्र को अपनाते हुए हिंदू हम सब एक हैं के विचार पर चलने एवं अपने अपने आसपास रहने वाले सभी जाति समाज वर्ग के लोगों के साथ समरस होकर रहने की बात कही। ामाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मंच पर साक्षी चेतना दीदी (ओंकारेश्वर), सुनीता पूरे दीदी (खरगोन), सामाजिक समरसता मातृशक्ति की प्रांत सह-संयोजिका योगिता पाटीदार एवं जिला संघचालक डॉ. शक्तिसिंह राठौर उपस्थित रहे। अतिथि परिचय मातृशक्ति जिला संयोजक भाग्यश्री पटेल द्वारा एवं संचालन प्रियंका पटेल एवं मंगलेश तोमर द्वारा किया गया ।

बाल विवाह को लेकर जगाई जागरुकता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर मालवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय एकीकृत विद्यालय आवर एवं आंगनबाड़ी केंद्र आवर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कलेक्टर डॉ शेर सिंह मीना के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय एकीकृत विद्यालय आवर के अध्यापक श्री देवी सिंह रेकवाल, वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती सावित्री परमार, सुश्री मनीषा शर्मा, सुश्री प्रीति नागर, सुश्री सोनिया यादव एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका उपस्थित थी।

वन स्टॉप सेंटर द्वारा देवउठनी एकादशी के अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की गई। छात्राओं व महिलाओं के बीच बाल



विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता लाने के लिए छात्राओं और महिलाओं को बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की शिक्षा प्रभावित होती है तथा उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बाल विवाह न करें, न करवाएं और न सहयोग करें

उपस्थितजनों का आह्वान किया गया कि कि बाल विवाह न करें, न करवाएं और न ही इसमें सहयोग करें। यदि किसी क्षेत्र में बाल विवाह की जानकारी प्राप्त होती है अथवा बाल विवाह होने की आशंका है, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें, जिससे समाज में व्याप्त इस कुरीति को रोका जा सके। विद्यार्थियों से अपील की गई कि बाल विवाह की रोकथाम केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिकों के सहयोग से बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में प्रभावी कदम उठाया जा सकता है। बाल विवाह न होने देने की शपथ भी दिलाई गई।

स्वच्छ, निर्मल शिप्रा के संकल्प के साथ चार दिवसीय प्रदक्षिणा शुरु

त्रिशूल शिवगण वाहिनी के तत्वावधान में निकाली जा रही यात्रा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। मां शिप्रा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के संकल्प के साथ शनिवार सुबह उज्जैन के रामघाट से संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा का शुभारंभ हुआ। त्रिशूल शिवगण वाहिनी के तत्वावधान में निकाली जा रही इस चार दिवसीय यात्रा में बड़ी संख्या में साधु-संत, महंत, महामंडलेश्वर और श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और यात्रा की सफलता के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

यात्रा की शुरूआत रामघाट पर विधिवत शिप्रा पूजन और संतों के आशीर्वचन के साथ हुई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा का पहला पड़ाव ग्राम बोलासा स्थित देवलघाट रहेगा। इसके बाद यात्रा ग्राम शिप्रा और दकनाखेड़ी होते हुए शिप्रा के उद्गम स्थल उज्जैनी स्थित केवड़ेश्वर धाम पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। अगले तीन दिनों में यह यात्रा शिप्रा के उद्गम स्थल से आगे बढ़ते हुए गंभीर और चंबल नदी के संगम तक जाएगी। विभिन्न घाटों और धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 24 नवंबर की शाम करीब 5 बजे यात्रा पुनः रामघाट पहुंचेगी, जहां इसका भव्य समापन होगा।

नदियां हमारे विराट पुरुष के शरीर की नस-नाड़ियां

यात्रा में शामिल संतों ने कहा कि नदियां हमारे विराट पुरुष के शरीर की नस-नाड़ियां हैं और इनमें मां शिप्रा का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। संतों ने कहा कि शिप्रा का प्रवाह निरंतर अविरल बना रहे और आगामी सिंहस्थ महापर्व में श्रद्धालुओं को शिप्रा के मूल जल से ही स्नान का सौभाग्य प्राप्त हो, इसी मुख्य उद्देश्य से यह प्रदक्षिणा निकाली जा रही है। संतों ने सरकार से अपील की है कि वह आगामी सिंहस्थ शिप्रा के जल में ही आयोजित कराने के अपने संकल्प को पूरा करे। त्रिशूल शिवगण वाहिनी के त्रिशूलपाणी आदित्य नागर ने जानकारी दी कि यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर शिप्रा पूजन, चुनरी अर्पण, स्वच्छता के लिए श्रमदान, वृक्षारोपण और धर्म चेतना सभाओं का आयोजन किया जाएगा। 24 नवंबर को रामघाट पर समापन के दौरान 5100 दीपों से भव्य दीपदान और धर्मगुरुओं के सानिध्य में धर्म चेतना सभा होगी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए श्रद्धालुओं से विशेष अपील की है कि वे दीपदान केवल घाटों पर ही करें।

हरिहर मिलन के दौरान आतिशबाजी पर प्रतिबंध

उज्जैन। कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी (वैकुण्ठ चतुर्दशी) की रात्रि कल 22 नवंबर को उज्जैन में भगवान श्री हरि विष्णु जी और भगवान शिव शंकर जी का मिलन हरिहर मिलन के रूप में मनाया जाएगा। इस परंपरा के तहत भगवान महाकाल पालकी में सवार होकर बिल्वपत्र की माला लेकर गोपाल मंदिर पहुंचेंगे और भगवान विष्णु को अर्पित करेंगे। मंत्रोच्चार के साथ करीब एक घंटे तक पूजन-अर्चन होगा। इस दौरान भगवान शिव की बिल्वपत्र की माला भगवान विष्णु को और भगवान विष्णु की तुलसी की माला भगवान महाकाल को पहनाई जाएगी। इसे दोनों देवताओं के बीच सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान सवारी मार्ग पर आतिशबाजी और हिंगोट रॉकेट चलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पिछले वर्ष आतिशबाजी के दौरान एक घर में आग लगने की घटना सामने आई थी। ऐसी घटनाओं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। कलेक्टर एवं श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(1) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

सिंहस्थ तैयारियों के तहत 15 हजार वर्गफीट जमीन से हटाया अतिक्रमण

मजार, मस्जिद, शाही मकबरे सहित कई निर्माण हुए जमींदोज

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के तहत रेलवे प्रशासन ने शनिवार सुबह माधव नगर रेलवे स्टेशन के बाहर अतिक्रमण हटाने की एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 8 के पास रेलवे की स्वामित्व वाली भूमि पर लंबे समय से बने मजार, मस्जिद, शाही मकबरे और अन्य पक्के निमार्णों को जेसीबी मशीनों की सहायता से जमींदोज कर दिया गया। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच यह पूरी कार्रवाई सुबह 5 बजे शुरू हुई और लगातार छह घंटे तक चलते हुए सुबह 11 बजे समाप्त हुई। इस अभियान में अतिक्रमण ध्वस्त करने के लिए लगभग 6 जेसीबी मशीनों का उपयोग किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, माधव नगर स्टेशन के बाहर लगभग 15 हजार वर्गफीट बेशकीमती जमीन पर अवैध कब्जा था। सिंहस्थ के दौरान शहर में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए इस स्थान को खाली कराया गया है। रेलवे की योजना के मुताबिक, अतिक्रमण मुक्त कराई गई इस भूमि पर सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने और आवागमन के लिए एक विशाल होल्डिंग एरिया विकसित किया जाएगा, जिससे यात्री सुविधाओं का विस्तार हो सके।

हाईकोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद की गई कार्रवाई

कार्रवाई के कानूनी पक्ष को स्पष्ट करते हुए रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) मुकेश कुमार ने बताया कि संबंधित भूमि को खाली कराने की यह प्रक्रिया हाईकोर्ट से स्थगन आदेश (स्टे) खारिज होने के बाद ही विधिवत रूप से की गई है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर 100 से अधिक रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों के साथ रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तैनात रहे। प्रशासनिक अमले में एसडीएम पवन बारिया और सीएसपी दीपिका शिंदे भी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे।दूसरी ओर, इस कार्रवाई को लेकर मुस्लिम समाज और संबंधित कमेटी की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। कमेटी के अध्यक्ष काजी मौलाना आरिफ नदवी ने रेलवे की इस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे पूरी तरह गलत और एकतरफा करार दिया है। उनका आरोप है कि रेलवे ने बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए एक दर्जन से अधिक मजारों, मस्जिद कलंदरी, शाही मकबरे और मुतवल्ली के मकान को ध्वस्त कर दिया है। काजी ने दावा किया कि इस विवादित जमीन से जुड़ा मामला वर्तमान में भोपाल स्थित वक्फ ट्रिब्यूनल कोर्ट में विचाराधीन है। कमेटी का यह भी आरोप है कि प्रशासन ने एक व्यक्ति को फर्जी किरायेदार दर्शाकर तड़के करीब 4 बजे यह कार्रवाई की।

खाटू श्याम धाम में मना बाबा श्याम का जन्मोत्सव

101 दीपों की महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर अमृत नगर स्थित प्राचीन खाटू श्याम धाम मंदिर में बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई, वहीं बाबा श्याम का देश की राजधानी दिल्ली से मंगवाए गए विशेष फूलों से अलौकिक एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों की सजावट से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।

जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से ही हजारों की संख्या में श्याम प्रेमियों का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य बाबा श्याम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। बाबा श्याम का जन्मोत्सव केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसके पश्चात 101 दीपों से भव्य महाआरती की गई। पवित्र ज्योत के दर्शन कर श्याम भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर समिति ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर पूरे दिन श्याम प्रेमियों के सहयोग से खिचड़ी एवं फलों के चलित भंडारे का आयोजन किया गया।

112 प्रकार के व्यंजनों का भव्य सवामणी भोग

बाबा श्याम को 112 प्रकार के व्यंजनों का भव्य सवामणी भोग अर्पित किया गया। इस अवसर पर श्याम शर्मा ने बाबा खाटू श्याम की महिमा और जन्मोत्सव के महत्व के बारे में बताया कि महाभारत काल में वीर बर्बरीक ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना शीश दान में दिया था। उनकी भक्ति और त्याग से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें वरदान दिया था कि कलियुग में वे खाटू श्याम के नाम से पूजे जाएंगे तथा कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उनका शीश राजस्थान के खाटू नामक गांव में प्रकट होगा। मान्यता के अनुसार, देवउठनी एकादशी के दिन ही राजस्थान के खाटू गांव स्थित श्याम कुंड में बाबा श्याम का शीश प्रकट हुआ था।

धूमधाम के साथ हुआ तुलसी विवाह

डीजे की धुन पर नाचते गाते शामिल हुए घराती-बाराती

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के ग्राम तिंगजपुर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर शुक्रवार को भगवान शालिग्राम जी और माता तुलसी का विवाह धूमधाम और धार्मिक परंपराओं के साथ संपन्न हुआ। भगवान के इस अनूठे विवाह समारोह में पूरा गांव शामिल हुआ।

ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर निकली भगवान शालिग्राम की बारात में घराती-बाराती बनकर ग्रामीणों ने जमकर उत्साह दिखाया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए बारात में शामिल हुए। गांव में जगह-जगह धार्मिक उल्लास और उत्सव का माहौल दिखाई दिया।



श्रीकृष्ण मंदिर से निकली शालिग्राम की बारात

आयोजन के तहत श्रीकृष्ण मंदिर बाजार से भगवान शालिग्राम जी की बारात निकाली गई। भगवान को आकर्षक रूप से सजाकर बारात के रूप में रवाना किया गया। बारात में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा शामिल हुए। ढोल-डीजे की धुन पर श्रद्धालू भगवान के भजनों पर नृत्य करते हुए आगे बढ़े। बारात गांव के प्रमुख मार्गों से होती हुई धनगर मोहल्ले पहुंची, जहां घरातियों ने बारातियों का आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत सत्कार कर विवाह की रस्मों को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद विवाह स्थल पर मंडप के नीचे भगवान शालिग्राम जी ने तोरण की रस्म निभाई।

वरमाला, कन्यादान, सात फेरों सहित पारंपरिक रस्में

पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह की विधियां संपन्न कराईं। भगवान शालिग्राम जी और माता तुलसी के विवाह में वरमाला, कन्यादान और सात फेरों सहित पारंपरिक रस्में निभाई गईं। अग्नि को साक्षी मानकर दोनों का विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारे लगाए और विवाह के साक्षी बने। पूरे आयोजन में ग्रामीणों ने परिवार के सदस्यों की तरह घराती और बाराती की जिम्मेदारी निभाई।

महिलाओं ने मचाई खेल डांस और संगीत की धूम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्ट

देवास। उड़ान विद हीना द्वारा आयोजित दिवाली गेट-टुगेदर दिवाली बैठक बेहद उत्साह, उल्लास और आत्मीयता के साथ संपन्न हुई। इस खास आयोजन में उड़ान परिवार की महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ दिवाली की खुशियां साझा कीं। पारंपरिक परिधान, मनोरंजक खेल, डांस, मस्ती, संगीत ने शाम को और भी यादगार बना दिया। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और खूब आनंद उठाया। इस आयोजन की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि सभी ने मिलकर इसे एक पारिवारिक उत्सव का रूप दिया।

कार्यक्रम के दौरान उड़ान की फाउंडर हीना ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस कार्यक्रम की जैसी कल्पना की थी, उससे कहीं अधिक सुंदर और सफल यह आयोजन रहा।



गंगानगर में तीन सूने मकानों के ताले टूटे, लाखों के गहने चोरी

एक ही रात में हुई चोरियों से नागरिकों में दहशत, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए बदमाश, पुलिस कर रही वारदातों की जांच

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्ट

देवास। शहर के गंगानगर इलाके में चोरों ने एक ही रात में तीन सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। बदमाश घरों के ताले तोड़कर अंदर घुसे और सामान लेकर फरार हो गए। एचआर जॉनसन कंपनी में कार्यरत एक कर्मचारी के घर से करीब 14 लाख रुपए के गहने चोरी हुए हैं।

वारदात के दौरान बदमाश सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुए हैं। जानकारी के अनुसार, गंगानगर निवासी प्रशस्त शर्मा



आईएनडी में जूनियर मैनेजर हैं और एचआर जॉनसन कंपनी में सीनियर मैनेजर दीपक कुमार सिंह के साथ काम करते हैं। प्रशस्त के माता-पिता उत्तर प्रदेश के देवबंद में रहते हैं। परिवार ने कुछ महीने बाद होने वाली शादी की तैयारी के लिए करीब 14 लाख रुपए के गहने खरीदकर घर में रखे थे।

शादी समारोह में शामिल होने कोलकाता गए थे परिजन

प्रशस्त के पड़ोसी सुशांत शिंदे के मुताबिक, बदमाश ये सभी गहने चुरा ले गए। प्रशस्त और दीपक कुमार सिंह शादी समारोह में शामिल होने कोलकाता गए हुए थे। इसी इलाके में मूलचंद बामनिया के किराए के मकान में भी चोरी हुई। उनके बेटे के अनुसार, माता-पिता पिछले कुछ दिनों से रात में सम्यक विहार स्थित उनके घर पर सोने जा रहे थे। गुरुवार रात भी मकान सूना था, इसी दौरान बदमाश ताला तोड़कर अंदर घुसे और चोरी कर ली। तीसरे मकान में चोरी हुए सामान का विवरण सामने नहीं आया है। एक ही रात में तीन मकानों में चोरी से क्षेत्र के लोगों में दहशत है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए हैं।

आयोजन निभाई गई 273 वर्ष पुरानी परंपरा, ऐतिहासिक कंस वधोत्सव का हुआ आयोजन

राक्षसी अट्टाहास पर भारी कृष्ण की मुस्कुराहट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। अरे कन्हैया सुन...करते है लूट मार हम सिपाही कंस के...करते है भ्रष्टाचार हम सिपाही कंस के...खा जाएंगे तुझे कच्चा और डकार तक नहीं लेंगे... ऐसे खतरनाक है हम सिपाही कंस के...। अरे मामा...ग्वालों के पीछे कितने ही लग दिया जाए जोर, किंतु तुझसे ना मारा जाएगा ये माखन चोर। अरे कन्हैया... अब तक तो सोया था मखमल के गदेलों पर...पल भर में तुझे कर दूंगा मिट्टी के ठेलों पर। अरे ओ मामा...हम काल पुरुष है शत्रुंजयी, है काल हमारे हाथों में, अंत तेरा आ गया है अब मत उलझा बातों में। अरे कान्हा... जब हम हमला करेंगे तो सितारे टूट जाएंगे जमीन पर जलजला होगा...रहेगा नाम सिर्फ चाणूर का बाकि सब फना होगा। अरे मामाजी...मनमोहन नाम है मेरा, चितचोर भी कहलाता हूं, तलवारों की बातें करते हों, मैं नजर से मार गिराता हूं। ये उस वाक्युद्ध के अंश है जो गत दिवस रात 12 बजे नगर की सड़कों पर भगवान श्रीकृष्ण जी और कंस के दरबारियों के बीच हुआ।

नगर में 273 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक कंस वधोत्सव की परंपरा का निर्वहन किया गया। रात करीब 9 बजे बालवीर हनुमान मंदिर से देव और दानवों का रूप धरे कलाकारों का चल समारोह निकाला गया। पूरे रास्ते राक्षस बने कलकार अट्टाहास करते हुए अपने-अपने रथ पर सवार थे, वहीं भगवान श्रीकृष्ण, बलराम, धनसुख, मनसुखा बने कलाकार अपनी मुस्कुराहट से लोगों का मन मोह रहे थे।

नगर में दो स्थानों पर देव-दानवों के बीच वाक्ययुद्ध

इस बार भी कंस वधोत्सव पर नगर में दो स्थानों पर देव-दानवों के बीच वाक्ययुद्ध हुआ। इसमें आजाद चौक और सोमवारिया बाजार शामिल है। बालवीर मंदिर से शुरू हुआ चल समारोह सोमवारिया बाजार, मगरिया, बस स्टैंड, नई सडक, आजाद चौक होते हुए कंस चौराहा पर पहुंचा। कंस वधोत्सव समिति संयोजक तुलसीराम भावसार, समिति के संजय शर्मा, अजय उदासी सहित अन्य ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया।

आजाद चौक में हुआ संवाद

नगर में इस बार कंस वधोत्सव कार्यक्रम में प्राचीन परंपरा की तरह ही कलाकारों ने अपनी प्रस्तुती देते हुए आजाद चौक में वाद-संवाद किया। आजाद चौक में देव और दानवों के बीच वाक्युद्ध के लिए अलग से मंच तैयार किया गया था। इस मंच पर एक-एक करके राक्षस बने कलाकारों ने अपने शब्दबाण श्रीकृष्ण, बलराम और उनके सखाओं पर चलाएं। इस पर श्रीकृष्ण-बलराम और उनके सखा बने कलाकारों ने अपने शब्दबाणों से राक्षसों को एक-एक करके परास्त किया।

रेलवे स्टेशन पर युवक की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से हुई मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। अपने बचपन के दोस्त को भोपाल की ट्रेन में बैठाने आया युवक 25 हजार वॉल्ट की हाईटेंशन लाईन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। युवक जैसे ही हाईटेंशन की चपेट में आया वहां जोरदार धमाका हुआ और युवक नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। युवक अपने घर का इकलौता बेटा था।

भोपाल जाने वाले बचपन के दोस्त को ट्रेन में बैठाने आए छात्र विनायक प्रजापति (17) प्लेटफार्म पर खड़ी पेट्रोल से भरी मालगाड़ी के वैगन की सीढ़ियों पर चढ़ गया था। जैसे ही वह ऊपर पहुंचा, हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। तेज धमाका हुआ और आग का गोला उठा। करंट लगने से वह नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

दीपोत्सव कार्यक्रम से लौटा था विनायक

विनायक तुलसी नगर स्थित दीप्ति कान्वेंट स्कूल में कक्षा 11वीं का छात्र था। शुक्रवार रात करीब 9 बजे वह शासकीय कालेज मैदान में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम से घर लौटा था। इसके बाद उसने परिवार को बताया कि वह अपने बचपन के दोस्त तन्मय को भोपाल जाने वाली ट्रेन में बैठाने स्टेशन जा रहा है। दोनों दोस्त रात करीब 9.30 बजे रेलवे स्टेशन पहुंचे और प्लेटफार्म नंबर-2 पर ट्रेन का इंतजार करने लगे। तन्मय को इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट ट्रेन से भोपाल जाना था। इसी दौरान विनायक पास खड़ी पेट्रोल से भरी मालगाड़ी के वैगन की सीढ़ियों पर चढ़ने लगा। वह चप्पल पहने हुए था। रात करीब 9.51 बजे वह ऊपर से गुजर रही 25 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। तेज धमाके के साथ आग का गोला उठा और विनायक नीचे गिर गया। आवाज सुनकर प्लेटफार्म और रेलवे पार्किंग में मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हादसे का दृश्य देखकर सहम गए लोग

हादसे के बाद घटनास्थल का दृश्य भयावह था। विनायक की चप्पल नीचे पड़ी मिली, जबकि जिस वैगन पर वह चढ़ा था वहां खून के निशान थे। सूचना मिलते ही परिजन स्टेशन पहुंचे। इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार के लोग बदहवास हो गए। वह दीपोत्सव कार्यक्रम से खुशी-खुशी घर लौटा था। अचानक हुए हादसे से परिवार और परिचित स्तब्ध हैं।

जयवर्धन सिंह की जम्बो कार्यकारिणी कांग्रेस संगठन को मिलेगी संजीवनी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कांग्रेस जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह ने अपनी नई जिला कार्यकारिणी का ऐलान कर सियासी हलकों में नई हलचल पैदा कर दी है। सामूहिक शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रतिबद्धता दोहराने के संदेश के साथ घोषित इस जम्बो टीम में हर वर्ग, समुदाय और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां बांटकर संतुलन साधने की कोशिश की गई है। कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष, 15 उपाध्यक्ष, संगठन महासचिव, 33 महासचिव और 35 सचिवों के अलावा राजनैतिक मामलों की समन्वय समिति और अनुशासन समिति का गठन भी किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता नीलकंठ जैन को कोषाध्यक्ष और गोपाल सोनी को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पंकज कनेरिया को संगठन महासचिव की अहम जिम्मेदारी मिली है।

नई टीम में उपाध्यक्ष पद की कमान 15 नेताओं को सौंपी गई है। इनमें लालजीराम जाटव, महेंद्र सिंह बापचा, गोपाल शर्मा, घूमन सिंह यादव, बीरम सिंह लक्ष्मणपुरा, सगीर अहमद, बीटू रघुवंशी, पुरुषोत्तम शर्मा, कमला बाई मर्दन सिंह मीणा, रघुवीर सिंह किरार, गंगाराम लोधा, हनुमंत सिंह दावतपुरा, दुर्गेश यादव, हेमराज सिसौदिया और श्यामलाल मीना शामिल हैं।

महासचिवों की बड़ी टीम को सौंपी चुनावी और दफ्तर की कमान

संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय रखने के लिए 33



महासचिवों की फौज उतारी गई है। इनमें मिस्बाह नूर को जनसंपर्क, आशीष जैन शिमला को कार्यालय प्रभारी और तरुण सेन को चुनाव प्रभारी बनाया गया है। इनके साथ अर्चना बल्लू चौहान, राजकुमार गुर्जर, सीमा यादव, नारायण सिंह कुशवाह म्याना, राधेश्याम मीणा, रियाजुद्दीन कुरैशी, ओमप्रकाश शर्मा, आबिद खान, कालूराम अग्रवाल, रिंकू रघुवंशी बूढ़ाखेड़ा, दीपेश पाटनी, सर्जन यादव, रमेश सेंडो, विश्वनाथ रघुवंशी, राजेश साहू, मुन्नालाल मीणा, बृजेश शर्मा पतलेश्वर, कैलाश किरार, रामदास सिंह राजपूत, नरेंद्र कुशवाह, विक्की सितारा, गौतम रघुवंशी, पुरुषोत्तम पुरी, धर्मेन्द्र धाकड़, गोपाल सिंह भील, कन्हैयाराम अहिरवार, कृष्णपाल सिंह तोमर, धीरज सिंह मीना, निरंजन धाकड़ कपासी और अशोक मीणा अजरोड़ा को महासचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है।

सचिवों की टीम से बूथ से ब्लॉक तक सक्रियता का लक्ष्य

कार्यकारिणी में 35 सचिवों को शामिल कर संगठन के विस्तार को गति दी गई है। मंगल सेलर को कार्यालय सह प्रभारी बनाया गया है, जबकि दौलतराम कुशवाह, बलदेव जादौन, रूप सिंह पटेलिया, रवींद्र रघुवंशी, लक्ष्मण सिंह गुर्जर, प्रमोद रघुवंशी, भारत सहरिया, राजकुमार जैन, गुलाबचंद सैनी, अरविन्द चंदेल, शिवकुमार उपरिंग, संजय पंत, जगदीश मेहर (पहलवान), मनीष रजक, गजेंद्र सिंह चौहान, रामनाथ भील, भगवती अहिरवार, योगेश बारेला, भैरों सिंह भिलाला, शिवलाल नायक, गायत्री ओझा, मिट्ठूलाल प्रजापति, इमरत भील, मनोज कुमार राठौड़, भोजराज लोधी, रमेश पाल, प्रीतम लोधा, अल्ताफ पठान, दिनेश शिवहरे, तीरथ अहिरवार, शिवदयाल श्रीवास्तव, रणजीत धौलपुरिया, रामप्रकाश चौधरी, रोहित मीणा और महेश धाकड़ को सचिव पद का दायित्व सौंपा गया है।

दिग्विजय सिंह की अगुवाई में बनी समन्वय समिति

राजनैतिक फैसलों और तालमेल के लिए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुवाई में समन्वय समिति गठित की गई है। इसमें पूर्व मंत्री कन्हैयालाल अग्रवाल, प्रभारी जिला कांग्रेस बैजनाथ सिंह कुशवाह, राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, बमौरी विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा पिंकू, पूर्व जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राव यादवेंद्र सिंह, पूर्व जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा यादव, पूर्व शहर अध्यक्ष हरिशंकर विजयवर्गीय, पंकज कनेरिया, बमौरी विधानसभा प्रभारी दीपक सिंह चौहान (बल्लू कालापहाड़), नगरपालिका गुना नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ, जिला पंचायत सदस्य भगवान सिंह मीना, पवन भील, पंचम सिंह भील (जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष भी) और लेखराज सिंह लोधा शामिल हैं। इसके अलावा नगर व जनपद प्रतिनिधियों में मिंटूलाल जैन, विजय साहू, चंद्रमोहन मीना, रामलला यादव व हीरालाल अहिरवार के साथ ही बिंडल नारायण भील, भगवानलाल अहिरवार, चंद्रजीत सिंह यादव, मिस्बाह नूर, राजू कोरी, राजेंद्र तिवारी, हर्ष मेर, फलेशुराज सिसौदिया, हीरालाल शाक्य, बब्लू जाटव, रामकिशन नायक, विक्रम तोमर, वीरेंद्र शर्मा, देवेन्द्र मीना और तरुण सेन को भी समिति में स्थान दिया गया है।

अनुशासन बनाए रखने के लिए जिला अनुशासन समिति का गठन

पार्टी के भीतर अनुशासन और समन्वय की निगरानी के लिए जिला अनुशासन समिति भी बनाई गई है। इसमें मेहरबान सिंह धाकड़, हरिशंकर विजयवर्गीय, महावीर पंडया, नुरुल हसन नूर, कैलाश किरार, पुरुषोत्तम शर्मा, रमेश सेंडो, पवन भील, सीमा यादव, दिनेश रावत, दीपक सिंह चौहान बल्लू कालापहाड़ और देवेंद्र मीना पटोंदी को शामिल किया गया है।

भव्य रामलीला महोत्सव का शुभारम्भ आज से होगा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। श्री राम सिद्ध कला परिषद द्वारा कन्या पूजन कर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी की लीला हेतु ध्वज स्थापना की गई। आज 22 नवंबर से रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा।

इस अवसर पर परिषद द्वारा कन्या पूजन कर भूमि पूजन किया गया भूमि पूजन कर विधिवत रामलीला हेतु ध्वज स्थापित हुआ एवं डायरेक्टर अनिल शर्मा ने सभी महिला कलाकारों एवं पुरुष कलाकारों की पत्रों की रिहर्सल करवाई परिषद के सचिव पीयूष पाराशर ने बताया की यह है प्रदेश की एकमात्र ऐसी रामलीला है जिसमें 35 से अधिक युवतियां किरदार निभाती है एवं 65 से पुरुष कलाकार पात्र निभाते हैं जिसकी तैयारियां लगभग दो माह से चल रही है और साथ ही सभी जिले वासियों से आग्रह किया कि 22 नवंबर से रात्रि 8:00 बजे से 12:00 बजे तक भगवान की लीलाओं का मंचन



होगा स्थान रहेगा अम्बेडकर भवन के सामने पठार मोहल्ला जिसमें आप सपरिवार अपने इष्ट मित्रों सहित पधार कर धर्म लाभ अर्जित करें इस बर्ष रामलीला महोत्सव का शुभारंभ श्री मति रजनी रामनिवास शर्मा द्वारा किया जावेगा इस मौके पर पारिषद के अध्यक्ष शीतल संधु ऋषि त्रिपाठी पवन शर्मा , विजय बैरागी, बृजेश शर्मा ,बंधु शर्मा ,राहुल शर्मा ,नीरज पटेल ,राहुल साहू, प्रमेंद शर्मा ,रोहित शर्मा ,श्याम सुन्दर विश्वकर्मा, दुर्गेश शर्मा, लक्ष्मण बघेल, जय शर्मा आदि कलाकारबंधु एवं मंडल के सदस्य गण उपस्थित रहे।

'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान को लेकर बैठक में बनाई रुपरेखा



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय समन्वयक एवं वरिष्ठ नेत्री श्रीमती पुष्पा अमरनाथ के मुख्य आतिथ्य में वोट चोर गद्दी छोड अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई ।

बैठक में श्रीमती पुष्पा अमरनाथ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर पूरी मजबूती के साथ कार्य करना होगा । इसलिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय एवं जिम्मेदार कार्यकर्ताओं की टीम तैयार कर अभियान को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाहा एवं विधायक इंजीनियर हरी बाबू राय ने भी संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी और अभियान को जिले के प्रत्येक बूथ तक पहुंचाने पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी दशरथ रघुवंशी, अशोक शर्मा, नगर अध्यक्ष राहुल शर्मा पंडा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा सुराणा, पार्षद किरण कुशवाहा, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष आनंद शर्मा, मुंगावली ब्लॉक अध्यक्ष शोभाराम राजपूत, ईसागढ़ ब्लॉक अध्यक्ष अवधेश लोधी, पिपरई ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश लोधी, सूचना प्रभारी सुधीर शर्मा, राजकुमार लोधी, लक्ष्मण पाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे बैठक में सभी कांग्रेसजनों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया।

12 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ, खातों में पहुंचे 49-49 हजार



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जनपद पंचायत गुना द्वारा शुक्रवार को एक ही परिसर में सद्भाव और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 12 जोड़ों का विवाह एवं निकाह पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया, जिनमें 6 जोड़ों ने सात फेरे लिए और 6 जोड़ों का निकाह पढ़ा गया। इस दौरान उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

योजना के प्रावधानों के अनुसार, सभी नवविवाहित वधुओं को आत्मनिर्भर बनाने और गृहस्थी की शुरूआत के लिए प्रत्येक कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि अंतरित की गई। समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने नवदंपतियों को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। इस भव्य आयोजन में जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सारिका लुम्बा, ग्राम पंचायत हरिपुर के उपसरपंच क्षितिज लुम्बा, जिला पंचायत सदस्य संतोष धाकड़, शिवपाल परमार, विकास जैन नखराली और राजेश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। प्रशासनिक अमले से सामाजिक न्याय विभाग गुना के उपसंचालक रिशु कुमार सुमन तथा जनपद पंचायत गुना की मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगिता परमार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त अशोकनगर अभियान के तहत पुलिस की कार्यवाही

माधौगढ़ में दबिश देकर 400 लीटर शराब जब्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोक नगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अशोकनगर पुलिस को बड़ी सफलताए प्राप्त हो रही है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अति0 पुलिस अधीक्षक अशोकनगर श्री अंतर सिंह कनेश के मार्गदर्शन में एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस लाईन, थाना देहात एवं थाना कचनार की पुलिस टीमो द्वारा ग्राम माधौगढ़ में दबिश देकर बड़े पैमाने पर अवैध कच्ची शराब निर्माण के ठिकानों पर कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के दौरान पुलिस टीम द्वारा मौके से लगभग 400 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब, 60 टंकियां, शराब बनाने की सामग्री एवं भट्टियां जब्त की गईं। साथ ही अवैध शराब निर्माण में उपयोग हेतु तैयार लगभग 20 हजार लीटर लहान को मौके पर नष्ट किया गया। उक्त कार्यवाही में आबकारी अधिनियम के तहत कुल 10 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। एसपी के अनुसार पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण के इस नेटवर्क की विस्तृत जांच की जा रही है। शराब निर्माण में प्रयुक्त कच्चा माल कहां से लाया जाता था, इसके परिवहन में किन वाहनों का उपयोग किया जाता था तथा इस अवैध कारोबार में कौन-कौन व्यक्ति संलिप्त थे, इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

उक्त कार्यवाही में एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक आकाश शर्मा, निरीक्षक मनीष चौहान, निरीक्षक संजीव शर्मा, थाना प्रभारी कचनार उनि0 सत्येन्द्र कुशवाह तथा थाना देहात, थाना कचनार एवं पुलिस लाइन के पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा द्वारा स्वजन सहयोग अभियान के अंतर्गत ग्राम माधौगढ़ के नागरिकों से अपील की गई कि वह अपने परिवार के सदस्यों एवं परिचितों को अवैध शराब के कारोबार से दूर रहने तथा समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करें। एवं कहीं भी अवैध शराब निर्माण, बिक्री अथवा परिवहन की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

पानी के विवाद में परिवार के दो पक्षों में खूनी संघर्ष

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम बकान में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे ट्यूबवैल से खेत में पहले पानी देने की बात को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में एक पक्ष के चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक युवक की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है।

पीड़ित पक्ष का दावा है कि विवाद की शुरूआत ट्यूबवैल चलाने और खेत में पहले पानी देने को लेकर हुई थी। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच पहले से ही जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है और मंगलवार को ही इस मामले में दोनों पक्षों की कोर्ट में पेशी भी थी। पीड़ित पक्ष के देवेंद्र धाकड़ ने बताया कि ट्यूबवैल चलाने की बात पर हुए झगड़े के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके पिता बांकेलाल, भाई गोविंद धाकड़ और एक कर्मचारी के साथ बेरहमी से मारपीट की। हमले में गोविंद धाकड़ के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। देवेंद्र ने किसी तरह पड़ोस के गांव में भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद घायल बांकेलाल, गोविंद और अन्य को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि इससे पहले दूसरे पक्ष ने भी कोर्ट में गवाही के लिए जाते समय रास्ते में रोककर मारपीट किए जाने का आरोप लगाया था।

देवउठनी ग्यारस पर खाटू श्याम मंदिर में चांदी के मुकुट अर्पित

कुंभराज। देवउठनी ग्यारस और तुलसी विवाह के अवसर पर नगर के खाटू श्याम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना व भजन संध्या आयोजित हुई। सुबह से भक्तों की कतारें लगी रहीं और जयकारों के बीच बाबा श्याम को चांदी के मुकुट, इत्र, फूल-माला व प्रसाद अर्पित कर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर समिति के अनुसार, बाबा श्याम का मुकुट गुलाब सिंह मीणा (दितलवाड़ा), दुर्गा माता का मुकुट गोपाल कृष्ण सुमन (कृष्णा बिल्डिंग मटेरियल) तथा सालासर बालाजी का मुकुट श्याम सुंदर मीना, रामहेत मीना, देवकीनंदन पचौरी, गणेश तिवारी, बच्चराज जादोन, कमलेश मीणा, विपिन अग्रवाल, कुलदीप साहू, कमलेश साहू, कमलेश अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, सुशील काबरा, विशाल तिवारी व आशीष सुमन सहित समिति सदस्यों ने भेंट किया। श्रद्धालुओं ने परिवार व नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। भजन संध्या में श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए।

आरोन में स्थायी उप पंजीयक नहीं होने से रजिस्ट्री कार्य हो रहे प्रभावित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आरोन। तहसील मुख्यालय आरोन में स्थायी उप पंजीयक की पदस्थापना नहीं होने के कारण किसानों सहित जमीन की खरीद-फरोख्त करने वाले क्रेता और विक्रेताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उप पंजीयक कार्यालय में स्थायी अधिकारी न होने से रजिस्ट्री संबंधी कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। जिससे लोगों में आक्रोश है।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोन में स्थायी उप पंजीयक की कमी को देखते हुए डीआर साहब द्वारा अस्थायी व्यवस्था के तहत सप्ताह में एक या दो दिन उप पंजीयक को आरोन कार्यालय में बैठकर कार्य निपटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद इंचार्ज उप पंजीयक कपिल व्यास के नियमित रूप से आरोन नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आ रही हैं। नियमित उपस्थिति न होने के कारण रजिस्ट्री कराने के लिए आने वाले लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है और उनका कीमती समय खराब हो रहा है। इससे परेशान लोगों ने कलेक्टर से मांग की है कि उप पंजीयक की नियमित रूप से आरोन में उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए, ताकि रजिस्ट्री कार्य सुचारु रूप से हो सके।

जिला अस्पताल में संदिग्ध बैग से मचा हड़कंप, दो घंटे तक बनी रही अनहोनी की आशंका

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिला अस्पताल में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब क्रिटिकल केयर यूनिट के पास एक लावारिस बैग दिखाई दिया। करीब दो घंटे तक बैग वहीं पड़ा रहा और उसे लेने कोई नहीं पहुंचा। बैग को लेकर अस्पताल के स्टाफ और मरीजों के परिजनों के बीच तरह-तरह की आशंकाएं पैदा होने लगीं। मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, लेकिन कुछ ही देर में पूरे मामले की सच्चाई सामने आ गई।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 9 बजे जिला अस्पताल परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट के पास एक बैग रखा हुआ दिखाई दिया। शुरूआत में लोगों ने इसे सामान्य सामान समझा, लेकिन काफी देर तक जब कोई उसे लेने नहीं आया तो अस्पताल स्टाफ और वहां मौजूद



मरीजों के परिजनों की चिंता बढ़ने लगी।

मरीजों के परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। बैग लावारिस हालत में पड़ा रहने के कारण लोगों में अनहोनी की आशंका पैदा हो गई। करीब दो घंटे तक बैग को लेकर अस्पताल परिसर में असमंजस और तनाव का माहौल बना रहा। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और बैग की जांच की। साथ ही उसके मालिक का पता लगाने की कोशिश की गई। जांच के दौरान सामने आया कि बैग किसी बाहरी व्यक्ति का नहीं, बल्कि अस्पताल में भर्ती एक मरीज के अटेंडर का था। पुलिस के पहुंचने पर संबंधित अटेंडर ने बैग को अपना सामान बताया और उसे अपने साथ ले जाने की बात कही। इसके बाद अस्पताल परिसर में बना तनाव समाप्त हो सका और लोगों ने राहत की सांस ली। संदिग्ध बैग मिलने की खबर से अस्पताल स्टाफ और मरीजों के परिजनों में चिंता का माहौल बन गया था। हालांकि, जांच के बाद बैग मरीज के अटेंडर का निकलने से सभी ने राहत की सांस ली।

डेढ़ साल में ही खुली पानी निकासी की पोल, भिड़रा के मुख्य मार्ग पर जलभराव और कीचड़ से ग्रामीण परेशान

गुना। बमौरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भिड़रा में मुख्य मार्ग पर जलभराव और कीचड़ के चलते ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह वही मुख्य रास्ता है, जहाँ से होकर लोग गांव के भीतर आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क पर पानी भरा रहने और कीचड़ फैलने से राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक जलभराव के कारण कई बार वाहन पानी और कीचड़ में फिसलकर गिर जाते हैं, वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों को भी रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क करीब डेढ़ साल पहले ही बनाई गई थी, लेकिन निर्माण के दौरान पानी निकासी की व्यवस्था नहीं की गई। नियमानुसार सड़क के साथ नाली बनाई जाना चाहिए थे, लेकिन इसे नजरअंदाज किया गया। इसके चलते घरों का गंदा पानी सड़क पर बहता है और कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत सचिव तीन महीने से गांव में नहीं आ रहे हैं और ग्राम पंचायत में होने वाली जनसुनवाई में भी जिम्मेदार मौजूद नहीं रहते।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में अशोकनगर पुलिस प्रदेश में तीन माह से प्रथम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। । सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त होने वाली जनशिकायतों के त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण में अशोकनगर जिला पुलिस ने एक बार फिर पूरे प्रदेश में अपना परचम लहराया है। माह अक्टूबर 2026 की सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग में अशोकनगर जिले ने 96.99 प्रतिशत का उत्कृष्ट स्कोर प्राप्त करते हुए पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिला पुलिस की बेहतर कार्यकुशलता, जवाबदेही और आमजन के प्रति संवेदनशीलता को स्पष्ट रूप से दशार्ती है।

इस महत्वपूर्ण सफलता के पीछे पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के सख्त और स्पष्ट दिशा-निर्देश



हैं, जिनके तहत जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का समयबद्ध और समुचित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सके। इन्हीं निदेर्शों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा, एसडीओपी मुंगावली ओमप्रकाश मिश्रा तथा एसडीओपी चंदेरी महेश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना प्रभारियों ने सक्रियता दिखाई।

समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुना

पुलिस टीमों द्वारा प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया और हर मामले का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर त्वरित कार्रवाई करते हुए संतुष्टिपूर्वक समाधान किया गया।उल्लेखनीय है कि अशोकनगर पुलिस का यह प्रदर्शन निरंतर उत्कृष्ट बना हुआ है। इससे पूर्व माह सितंबर 2026 की सीएम हेल्पलाइन ग्रेडिंग में भी जिले ने 96.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान पाया था। इस प्रकार अशोकनगर जिला लगातार तीन माह से प्रदेश की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज है। पूर्व में भी जिला पुलिस लगातार तीन माह तक पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर रह चुकी है। इस शानदार उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने जिले के समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने सभी को प्रोत्साहित करते हुए निर्देशित किया है कि भविष्य में भी इसी समर्पण, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करते हुए शिकायतों का निराकरण निरंतर जारी रखा जाए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)